Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25
www.dainikvishwapariwar.com
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 75 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 22 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

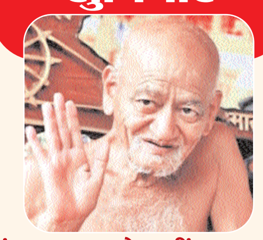

हमें पर द्रव्य को नहीं आत्म द्रव्य को मुख्य बनाना चाहिये।

It is edge of knowledge that it is infinite.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

राम मंदिर में 105 बार चोरी, सीसीटीवी में घटनाएं कैद

■ दो दिन में चार्जशीट में होंगे बड़े खुलासे

नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच अब अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम यानी एसआईटी दो दिन के भीतर चार्जशीट दाखिल करेगी। एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट में कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान चढ़ावे की चोरी से जुड़ी 105 घटनाओं की पहचान की गई है। ऐसे में अब चार्जशीट के जरिए जांच से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ को बताया कि पहली गिरफ्तारी की तारीख से 90 दिन की अवधि 25 सितंबर को पूरी हो जाएगी। अगर इससे पहले चार्जशीट दाखिल नहीं की गई तो आरोपियों को डिफॉल्ट जमानत मिलने का आधार बन सकता है। इसी वजह से सरकार ने अदालत को बताया कि एसआईटी दो दिन में चार्जशीट दाखिल करेगी। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की। एसआईटी ने जांच से जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट भी अदालत में पेश की, जिसका पीठ ने अवलोकन किया।

एसआईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। इसी फुटेज के आधार पर चढ़ावे की चोरी से जुड़ी 105 घटनाओं की पहचान की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन घटनाओं की जांच पूरी हो चुकी है। एसआईटी के अनुसार अब जांच का अगला चरण चार्जशीट दाखिल करना है। हालांकि, इन 105 घटनाओं में कितनी रकम की चोरी हुई या किन लोगों की भूमिका सामने आई, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। इन विवरणों का खुलासा चार्जशीट में होने की बात कही गई है। मामले में 25 सितंबर की तारीख इसलिए अहम है क्योंकि पहली गिरफ्तारी के बाद 90 दिन की अवधि उस दिन पूरी हो रही है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अगर इस अवधि के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं की गई तो आरोपियों को डिफॉल्ट जमानत मिल सकती है। इसी वजह से उन्होंने अदालत में कहा कि चार्जशीट दो दिन के भीतर दाखिल कर दी जाएगी। एसआईटी की ओर से जांच पूरी होने और स्टेटस रिपोर्ट सौंपे जाने की जानकारी भी अदालत को दी गई है।

छत्तीसगढ़ में 854 पदों पर होगी शिक्षक भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षकों की भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। स्कूल शिक्षा विभाग ने व्याख्याता के 854 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। मुख्यमंत्री की ओर से स्कूल शिक्षा विभाग में 5000 शिक्षकीय पदों पर भर्ती की घोषणा की गई थी। इसी के तहत अब व्याख्याता के पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इन पदों के लिए लिखित परीक्षा छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल कराएगा। परीक्षा की संभावित तारीख 29 नवंबर 2026 रखी गई है। आवेदन कब से शुरू होंगे, इसकी जानकारी कर्मचारी चयन मंडल अलग से जारी करेगा। व्याख्याता के 854 पदों को 8 विषयों में बांटा गया है। इसमें हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के 120-120 पद हैं। वहीं भौतिकी के 94, राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र के 100-100 पद हैं। जारी विज्ञापन के मुताबिक 854 पदों में से 424 पद ई-संवर्ग की शालाओं और 430 पद टी-संवर्ग की शालाओं में भरे जाएंगे।

माँ का सम्मान हमारी संस्कृति और संस्कारों का आधारः मुख्यमंत्री साय

■ माँ का अपमान बर्दाश्त नहींः विष्णुदेव साय ने साझा की भावुक कविता, राहुल गांधी को बिना नाम लिए नसीहत

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने माँ के प्रति सम्मान और भारतीय संस्कृति में माँ के सर्वोच्च स्थान को रेखांकित करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावपूर्ण वीडियो साझा किया है। मुख्यमंत्री ने इसके साथ अपनी भावनाओं को कविता की पंक्तियों में अभिव्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में उल्लेख किया है - माँ है ममता, माँ है करुणा, माँ जीवन का आधार है, माँ के चरणों में समर्पित पूरा ये संसार है। माँ का करे अपमान वो कुपुत्र ही कहलायेगा, माँ का करे तिरस्कार वो कहीं ठौर न पायेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने किसी राजनीतिक व्यक्ति का नाम लिए बिना अपने संदेश के माध्यम से माँ के प्रति सम्मान और मर्यादा बनाए रखने की सीख दी है। उन्होंने यह संदेश ऐसे समय साझा किया है, जब इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में एक कॉमेडी प्रस्तुति को लेकर राजनीतिक विवाद चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि इंदौर में आयोजित उक्त कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में स्टैंड-अप कॉमेडियन पुलकित मणि ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की बोलने की शैली और हाव-भाव की मिमिक्री की थी। प्रस्तुति के एक हिस्से में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान भीड़ में मौजूद बुजुर्ग माताजी के लिए कुर्सी उपलब्ध कराने को कहने से जुड़े प्रसंग को भी शामिल किया गया। इसे लेकर भाजपा के अनेक नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया है कि हास्य के नाम पर माँ और मातृशक्ति के सम्मान को ठेस पहुंचाई गई। कार्यक्रम के दौरान श्री राहुल गांधी मंच पर मौजूद थे और प्रस्तुति पर उनकी प्रतिक्रिया को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज हुई है।

इसी घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का माँ की महिमा और सम्मान को समर्पित संदेश सामने आया है। मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय माँ के प्रति भारतीय समाज की श्रद्धा, संवेदना और संस्कार को केंद्र में रखा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वर्गीय कवि ओम व्यास की माँ पर केंद्रित प्रसिद्ध काव्य रचना का वीडियो भी साझा किया। माँ के त्याग, ममता, वात्सल्य और संतान के जीवन में उनके अतुलनीय स्थान को अभिव्यक्त करती यह रचना सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय के संदेश का भाव स्पष्ट है कि माँ केवल एक संबंध नहीं, बल्कि ममता, करुणा, त्याग और संस्कार का स्वरूप है।

रक्षा मंत्रालय ने टैंकों के लिए 586 करोड़ रुपये का सौदा किया

■ समझौते पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को सोवियत डिजाइन वाले टी-72 और टी-90 मुख्य युद्धक टैंकों के लिए ऑक्सीलियारी पावर यूनिट (एपीयू) की खरीद को लेकर 586 करोड़ रुपये का अनुबंध किया। मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अनुबंध स्वदेशी कंपनी एक्युरेट इंडस्ट्रियल कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया। नई दिल्ली में हुए इस समझौते पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, एपीयू टैंक के फायर कंट्रोल सिस्टम, फायरिंग सर्किट, गन स्टेबलाइजेशन सिस्टम और अन्य सहायक प्रणालियों के लिए बिजली उपलब्ध कराने का वैकल्पिक स्रोत है। स्वदेशी रूप से विकसित एपीयू के शामिल होने से भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फॉर्मेशन की परिचालन क्षमता, विश्वसनीयता और दीर्घकालिक संचालन क्षमता मजबूत होगी। मंत्रालय ने बताया कि टी-72 और टी-90 टैंक भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फोर्स की रीढ़ हैं। एपीयू की मदद से युद्ध के दौरान निगरानी मोड या प्रशिक्षण के समय मुख्य इंजन बंद रखते हुए भी टैंक के फायर कंट्रोल सिस्टम और अन्य जरूरी उपकरण संचालित किए जा सकेंगे। इससे मुख्य इंजन की उम्र बढ़ाने और ईंधन की बचत में भी मदद मिलेगी।

बयान के मुताबिक, स्वदेशी कंपनी को दिया गया यह ऑर्डर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन के अनुरूप टैंकों के लिए एपीयू निर्माण तकनीक में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना में भविष्य में घरेलू और निर्यात बाजार में बड़े कारोबारी अवसर पैदा करने की क्षमता भी है। भारतीय सशस्त्र बलों के पास मौजूद टी-72, टी-90, अर्जुन टैंक और बीएमपी वाहनों के बड़े बेड़े के कारण एपीयू की लगातार जरूरत बनी रहेगी। आने वाले वर्षों में नए टैंकों की आपूर्ति के साथ इसकी मांग और बढ़ने की संभावना है। मंत्रालय के अनुसार, रूस निर्मित टी-72 और टी-90 टैंकों का इस्तेमाल करने वाले कई देशों में भी भारत में बने एपीयू के निर्यात की संभावना है। पूर्व सोवियत देशों के अलावा ईरान, इराक और मिस्र जैसे देशों की सेनाओं में भी ये मुख्य युद्धक टैंक शामिल हैं।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया 'राष्ट्रीय सोशल मीडिया कार्यशाला' का शुभारंभ

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में 'राष्ट्रीय सोशल मीडिया कार्यशाला' का उद्घाटन कर देशभर से आए सोशल मीडिया पदाधिकारियों को संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री विनोद तावड़े एवं सोशल मीडिया के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक श्री अमित मालवीय ने सोशल मीडिया की वर्तमान आवश्यकता और संगठन में उसकी भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यशाला में भाजपा सोशल मीडिया के राष्ट्रीय संयोजक दीपक म्हस्के ने कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम पर विस्तार से विषय रखा और उसका तथ्यात्मक जवाब देने का आह्वान किया एवं छत्तीसगढ़ सोशल मीडिया टीम के द्वारा किए जा रहे कार्यों पर बधाई दी इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में छत्तीसगढ़ से भाजपा सोशल मीडिया के प्रदेश संयोजक मितुल कोठारी, प्रदेश सह संयोजक राकेश चंद्राकर, दिनेश सुंदरानी, गिन्नी चावला, रवि मिश्रा, तेजपाल शर्मा सहित भाजपा सोशल मीडिया के प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल की तैयारी में नर्सिंग एसोसिएशन

■ स्वास्थ्य मंत्री से की मुलाकात, ग्रेड-पे वेतनमान लागू करने की मांग

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के नर्सिंग अफसरों ने अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से मुलाकात कर ग्रेड-पे वेतनमान लागू करने की मांग रखी है। एसोसिएशन ने कहा है कि मांग पर जल्द फैसला नहीं हुआ तो प्रदेशभर के नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा सकते हैं। एसोसिएशन ने आज स्वास्थ्य मंत्री को पत्र देकर बताया कि नर्सिंग संवर्ग ग्रेड-पे और वेतनमान की मांग को लेकर लंबे समय से सरकार के सामने अपनी बात रख रहा है। एसोसिएशन के मुताबिक यह मांग करीब 14 साल से लंबित है।

कस्टम मिलिंग मामले में ईडी की जांच तेज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित कस्टम मिलिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच तेज हो गई है। ईडी ने खरीफविपणन वर्ष 2021-22 में धान की कस्टम मिलिंग के लिए राइस मिलर्स को दी जाने वाली विशेष प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी से जुड़े दस्तावेज और जानकारी राज्य सरकार से मांगी है। राज्य सरकार की ओर से करीब 400 पन्नों की जानकारी ईडी को उपलब्ध कराई है। दरअसल, खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में कस्टम मिलिंग के लिए राइस मिलर्स को दी जाने वाली विशेष प्रोत्साहन राशि 40 रुपये से बढ़ाकर 120 रुपये प्रति क्विंटल की गई थी।

भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण में तेजी लाने उप मुख्यमंत्री का निर्देश

■ निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर पर्यटन मंत्री ने जताई नाराजगी

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वदेश दर्शन योजना के तहत लगभग 146 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किए जा रहे भोरमदेव कॉरिडोर के सभी प्रोजेक्ट की प्रगति की आज उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कबीरधाम के जिला पंचायत सभाकक्ष में समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कई निर्माण कार्य अपेक्षा के अनुरूप गति से नहीं चलने पर दोनों मंत्रियों ने संबंधित ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने हर 15 दिन के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा में ठोस प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण कार्यों में अपेक्षित गति नहीं होने पर अब जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर 15 दिन में कार्य की प्रगति निर्माण स्थल पर दिखाई देनी चाहिए। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर जिम्मेदार ठेकेदारों को कार्य से पृथक करने के साथ अनुबंध की शर्तों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक परियोजना है। ठेकेदार एजेंसियों की लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होगी, वहां संबंधित ठेकेदार को कार्य से पृथक कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर अनुबंध की शर्तों के तहत ब्लैक लिस्ट सहित अन्य कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी प्रोजेक्ट के लिए 15-15 दिन की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कार्ययोजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि निर्धारित अवधि के बाद निर्माण स्थल पर उसका परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। पर्याप्त मशीनरी, मानव संसाधन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भोरमदेव क्षेत्र का विकास आने वाले कई वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इसलिए प्रत्येक निर्माण कार्य मजबूत, टिकाऊ और निर्धारित गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए।

रायपुर पुलिस ने पकड़ा 10 लाख का गांजा

■ ओडिशा से कार में गांजा लेकर दुर्ग जा रहा था तस्कर

■ मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी करके दबोचा

रायपुर (विश्व परिवार)। अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के खिलाफ रायपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। माना कैंप थाना पुलिस ने ओडिशा से कार में गांजा लेकर दुर्ग जा रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 21.964 किलो गांजा बरामद हुआ है। इसकी कीमत करीब 10.98 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने गांजा और कार समेत कुल 13.48 लाख रुपए का माल जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक, 20 सितंबर की रात करीब 11.45 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति कार से ओडिशा से गांजा लेकर दुर्ग की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही माना कैंप पुलिस ने मछली मार्केट के पास नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की।

इसी दौरान पुलिस ने अल्टो कार सीजी 04 एनएन 6018 को रुकने का इशारा किया। चालक ने कार रोकने के बजाय रफ्तार बढ़ाकर भागने की कोशिश की। कुछ दूर जाने के बाद कार अन्य वाहन और हाट बाजार के पास डिवाइडर से टकराकर रुक गई। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चालक को पकड़ लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम राजेंद्र यादव, निवासी पिथौरा, महासमुंद बताया। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो डिक्की में रखे दो सफेद-पीले रंग के बैग मिले। बैग के अंदर खाकी रंग के टेप से पैक किए गए 11 पैकेट गांजा छिपाकर रखे थे। वजन करने पर गांजा 21.964 किलो निकला।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने ओडिशा से गांजा लाकर दुर्ग में बिक्री के लिए ले जाने की बात बताई। पुलिस ने गांजा और कार जब्त कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। अब पुलिस आरोपी से गांजा के स्रोत और दुर्ग में इसकी सप्लाई लेने वाले लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

सोनिया गांधी के वोटर विवाद में कोर्ट ने फैसला पलटा

■ नए सिरे से सुनवाई होगी, आरोप- 1983 में नागरिकता मिली, 1980 में मतदाता बनीं

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को सोनिया गांधी के खिलाफ वोटर्स केस में मजिस्ट्रेट कोर्ट का एक साल पुराना फैसला पलट दिया। दरअसल 11 सितंबर 2025 को मजिस्ट्रेट ने सोनिया के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के चलते स्न्द्धक्रदर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था। याचिका एडवोकेट विकास त्रिपाठी ने दाखिल की थी। आरोप है कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, जबकि उन्होंने 1983 में भारतीय नागरिकता हासिल की थी। शिकायत में कहा गया कि उनका नाम 1982 में मतदाता सूची से हटा दिया गया था और 1983 में दोबारा शामिल किया गया। आरोप था कि यह दोबारा दर्ज किया जाना भी 30 अप्रैल 1983 को नागरिकता हासिल करने से पहले हुआ था।

मजिस्ट्रेट के आदेश में इस बात पर चर्चा नहीं की गई कि 1980 में नाम कैसे शामिल हुआ, 1982 में कैसे हटाया गया और 1983 में दोबारा कैसे शामिल हुआ। मजिस्ट्रेट ने यह तय करने के बजाय कि आरोप किसी संज्ञेय अपराध का खुलासा करते हैं या नहीं, शिकायत को जरूरी विवरण के अभाव वाला बता दिया। मजिस्ट्रेट के आदेश में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 175(3) का पालन नहीं किया गया। इस धारा के तहत मजिस्ट्रेट किसी संज्ञेय अपराध की पुलिस जांच का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने सोनिया गांधी के खिलाफ स्न्द्धक्र दर्ज करने और पुलिस जांच कराने की मांग खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा कि शिकायत में धोखाधड़ी और जालसाजी के अपराध के जरूरी तथ्य/सबूत पर्याप्त रूप से नहीं दिए गए थे।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर
रायपुर, मंगलवार 22 सितम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

54 करोड़ की लागत से कवर्धा में बनेगी 4 लेन सड़क

शहर के विकास को मिलेगी नई रफ्तार :चंद्रवंशी

कवर्धा (विश्व परिवार)। कवर्धा शहर के विकास को नई रफ्तार देने वाली महत्वपूर्ण 4 लेन सड़क परियोजना का 24 सितंबर को नया मंडी परिसर में भव्य भूमिपूजन होगा। करीब 54 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क रायपुर मार्ग से बिलासपुर मार्ग तक, चंद्रयान हॉस्पिटल से कवर्धा शहर होते हुए जोराताल के आगे तक बनाई जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने इस परियोजना को कवर्धा के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि 4 लेन सड़क के निर्माण से शहर की यातायात व्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी। शहर में आवागमन सुगम होगा और नागरिकों के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

4 लेन सड़क परियोजना के तहत दो स्थानों पर भव्य प्रवेश द्वार भी बनाए जाएंगे। इन प्रवेश द्वारों को कवर्धा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान यानी धर्मनगरी के स्वरूप के अनुरूप विकसित किया जाएगा। इससे शहर में प्रवेश करने वाले लोगों को कवर्धा की एक अलग और आकर्षक पहचान देखने को मिलेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना की स्वीकृति में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि कवर्धा शहर के विकास को लेकर लगातार कार्य किए जा रहे हैं और 4 लेन सड़क की यह सौगात आने वाले समय में शहर के विकास को नई दिशा देगी। उन्होंने नगर पालिका परिषद की ओर से कवर्धा शहरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शहर के विकास में नागरिकों की सहभागिता और सहयोग भी महत्वपूर्ण है। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने शहरवासियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि कवर्धा के विकास की इस नई यात्रा में आप सभी अवश्य शामिल होवें।

फेर सड़क निर्माण की स्वीकृति के साथ ही अब भूमिपूजन कार्यक्रम का भी तिथि तय हो गया है।

गणेशोत्सव समाज को जोड़ने और संगठित करने का महापर्व : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। सोमवार को पुरानी बस्ती अग्रसेन भवन में आयोजित 'गणेशोत्सव समिति सम्मान समारोह' में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने राजधानी में आयोजित में गणेश उत्सव के आयोजकों, समिति के पदाधिकारियों और व्यवस्था संभालने वाले सक्रिय स्वयंसेवकों का सम्मान किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत और सेवाभाव की सराहना की।समारोह को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सार्वजनिक गणेशोत्सव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने आजादी के आंदोलन के दौरान देश और समाज को अंग्रेजों के खिलाफ संगठित करने के लिए गणेश जी की सार्वजनिक स्थापना की नींव रखी थी।उन्होंने कहा कि, आज भी यह उत्सव हमारे मोहल्लों, कॉलोनियों और समाज को एक सूत्र में पिरोने का सबसे बड़ा माध्यम बना हुआ है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि गणेशोत्सव के दौरान मोहल्ले और कॉलोनियों के सभी लोग–बच्चे, बुजुर्ग, नौजवान–एक साथ आरती और पूजा में शामिल होते हैं, जिससे आपसी मेलजोल और भाईचारा बढ़ता है। गरीब-अमीर सभी का इसमें बराबर योगदान रहता है और यही सामाजिक एकता की असली ताकत है।

युवाओं को अनुशासन और विसर्जन व्यवस्था का दिया संदेश :- सांसद ने युवाओं को सीख देते हुए कहा कि उत्सव में मौज-मस्ती और उल्लास जरूर होना चाहिए, लेकिन इसके साथ ही व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ÷यह उम्र मस्ती करने की है, खूब मस्ती करो, लेकिन मस्ती के साथ व्यवस्था भी ऐसी हो कि किसी को परेशानी न हो। पंडालों और विसर्जन के दौरान धक्का-मुक्की, हुड़दंग या बहनों-बेटियों के साथ किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

संस्कृति और संस्कारों को आगे बढ़ा रही हैं झांकियां:- प्रतिमाओं और पंडालों के बदलते स्वरूप की चर्चा करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि आज समितियां श्रवण कुमार, हनुमान जी और अन्य पौराणिक कहानियों पर आधारित जीवंत झांकियां और मूर्तियां सजा रही हैं। इसे देखकर 5-10 साल के छोटे बच्चे अपने माता-पिता से सवाल पूछते हैं और उन्हें हमारे वेद, पुराण, रामायण, महाभारत और गीता के संस्कारों की जानकारी मिलती है। नई पीढ़ी को धर्म और इतिहास से जोड़ने का यह बेहतरीन माध्यम है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने के लिए जोन अध्यक्ष एवं पार्षद श्री अंबर अग्रवाल, भाजयुमो जिला मंत्री श्री श्लोक शर्मा, समाज सेवी श्री विशाल खंडेलवाल, श्री सुरेश शर्मा समेत पूरी टीम को बधाई दी है।

NH-30 पर खड़ी ट्रक में घुसी तेज रफ्तार स्कूटी, शिक्षक की मौत

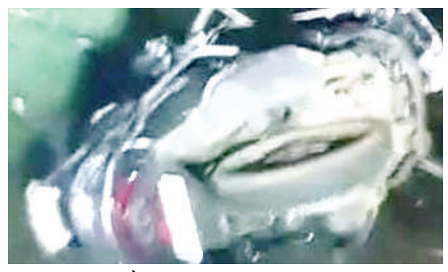

जगदलपुर (विश्व परिवार)। भानपुरी थाना क्षेत्र में देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। ग्राम तारागांव और भानपुरी के बीच सड़क पर खड़ी ट्रक में तेज रफ्तार स्कूटी जा घुसी।हादसे में स्कूटी सवार 45 वर्षीय शिक्षक रमूवर मरकाम की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक केशकाल से नवाखाई त्योहार मनाकर अपने घर ग्राम चपका लौट रहे थे। वे प्राथमिक शाला चपका नदीपारा में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। हादसे में स्कूटी के परखच्चे उड़ गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई, अपराधियों के हौसले बुलंद

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राजधानी रायपुर में पूर्व महापौर एजाज ढेबर को कथित तौर पर 50 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। यह घटना केवल एक व्यक्ति को मिली धमकी का मामला नहीं है, बल्कि यह सवाल खड़ा करती है कि क्या छत्तीसगढ़ में अपराधियों के मन में कानून का भय बचा है?प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में लगातार हत्या, चाकूबाजी, लूट, मारपीट और आपराधिक घटनाओं की खबरें सामने आ रही हैं। रायपुर में हाल ही में गणेश पंडाल में विवाद के बाद युवक की चाकू मारकर हत्या की घटना भी सामने आई, जिसमें आरोपी पर पांच बार चाकू से वार करने का आरोप है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांन्समिशन कंपनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (CIN): U40108CT2003SGC015820 GSTIN NO. 22AADCC5773E1ZX
कार्यालय : अधीक्षण अभियंता (उपकेन्द्र) वृत्त : भिलाई–3 पता – बिजली नगर, जी0ई0रोड भिलाई–3 (छ0ग0) पिन – 490021
वेब साईट – cspc.co.in Email – SESSOnM.Bhilai@cspc.co.in टेली / फैक्स – 0788–2281561,

क्रमांकः 10–70 / वाहन / 2026 / 734 — भिलाई, दिनांकः 18.09.2026

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

कार्यपालन अभियंता (एम.आर.टी.) संभाग, छ0ग0स्टेट पॉवर ट्रांस0 कं. लिमि., राजनांदगॉव के कार्यालीयन कार्यों के लिए वाहन चालक सहित 1 नग SUV (earlier jeep) श्रेणी या समकक्ष वाहन चालक सहित के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध (तीन वर्ष) हेतु निविदा आमंत्रण सूचना •

कार्यपालन अभियंता (एम.आर.टी.) संभाग, छ0ग0स्टेट पॉवर ट्रांस0 कं. लिमि., राजनांदगॉव के कार्यालीयन कार्यों के लिए वाहन चालक सहित 1 नग SUV (earlier jeep) श्रेणी या समकक्ष वाहन चालक सहित के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध (तीन वर्ष) हेतु पंजीकृत / उपयुक्त ठेकेदारों से मुहरबंद निविदाऐ आमंत्रित की जाती है ।

क्र.	कार्य का विवरण	आवश्यक संख्या	निविदा का मूल्य	बयाना राशि
01	कार्यपालन अभियंता (एम.आर.टी.) संभाग, छ0ग0स्टेट पॉवर ट्रांस0 कं. लिमि., राजनांदगॉव के कार्यालीयन कार्यों के लिए वाहन चालक सहित 1 नग SUV (earlier jeep) श्रेणी या समकक्ष वाहन चालक सहित के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध (तीन वर्ष) हेतु।	01 नग	रू. 1695.00 + 305.00 (18% जी.एस.टी.) = 2000.00 (वापसी योग्य नही)	रू. 23800.00 (वापसी योग्य)
अ	निविदा प्रपत्र कय करने की अंतिम तिथि व समय		दिनॉक 12 / 10 / 2026 समय 17:00 बजे तक	
ब	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय		दिनॉक 13 / 10 / 2026 समय 15:00 बजे तक	
स	निविदाओं को खोलने की निर्धारित तिथि व समय		दिनॉक 13 / 10 / 2026 समय 16:00 बजे तक	

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, विज्ञप्ति समयावधि विस्तार संबंधित जानकारी विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है– http:cspc.co.in से डाउनलोड की जा सकती है।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें
SAMVAD - 49113/2
अधीक्षण अभियंता (उपकेन्द्र)वृत्त
छ0ग0स्टेट पॉवर ट्रांस0कं.लिमि. भिलाई–3

कार्यालय नगर पालिक निगम जोन क्रं .02 बिलासपुर (छ.ग.)
मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/2005/न.पा.नि./लो.नि.वि./2026-27 — बिलासपुर, दिनांक–10.09.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र त्रि–लिफाफा पद्धति में पी.डब्ल्यू.डी. भवन एसओआर 10.06.2026 से कम या अधिक पर मुहर बंद निविदा पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट में आमंत्रित की जाती है :–
(1) निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय – दिनांक 01.10.2026 सायं 4.00 बजे तक।
(2) निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि व समय – दिनांक 01.10.2026 सायं 4.30 बजे।

क्र.	कार्य का नाम एवं विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य
1	वार्ड क्र. 06 शिव मंदिर के पास सामुदायिक भवन में नई सुविधा कार्य।	3.50	3500/-	750.00

नोटः– कार्य का विस्तृत विवरण/निविदा शर्तों एवं अन्य जानकारी का अवलोकन कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा में किया जा सकता है। निविदा संबंधी समस्त जानकारी www.bilaspurnagarnigam.com में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
जोन क्रं.02
नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
Green City, Clean City, Dream City.

छ.ग. राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड

(छ.ग. शासन का उपक्रम)
मुख्यालय "बीज भवन" जी.ई. रोड़ तेलीबांधा पो. रविग्राम, रायपुर
ई–मेल: beejnigam-cg@nic.in, cgbkvn_homs@yahoo.co.in
क्र./मुख्या./चैम्प्स/2026–27/1/640491/2026 — रायपुर, दिनांक 18–09–2026

प्रेस विज्ञप्ति

कृषि एवं उद्यानिकी संचालनालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ड्रिप स्प्रिंकलर, सिंचाई पंप. टैग्क्टर, कम्बाईन हार्वेस्टर, पॉवर टिलर, स्वचलित/शक्ति चलित, कृषि यंत्रों पर कृषकों को अनुदान दिये जाने हेतु छ.ग. शासन कृषि विभग के पत्र क्रमांक/7404/ एफ-08-09/Monitoring/2012-13/14-2 दिनांक 09.03.2016 के बिन्दु क्रमांक- '6' में प्रावधान अनुरूप जारी किया गया है।

तद्नुसार इच्छुक आवेदकों/कम्पनियों/संस्थाओं से "तृतीय पक्ष भौतिक सत्यापन कार्य के पंजीयन हेतु आवेदन आमंत्रित है। विस्तृत विवरण छ.ग. शासन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के website: https://agriportal.cg.nic.in/beejnigam/beej/पर EOI का अवलोकन किया जा सकता है। जिसकी वैद्यता प्रकाशन के 15 दिवस तक निर्धारित है।

//प्रबंध संचालक द्वारा अनुमोदित //

अपर संचालक कृषि (अभि.)
एवं प्रभारी चैंप्स प्रकोष्ठ
मुख्यालय रायपुर
SAMVAD - 49118\3

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35099/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35099
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR651I0562A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती 1. NAMRATA SINHASAR , 2. NA.BA. PRATIK SINHASAR पिता/पति, श्री/श्रीमती LATE. KESHAVCHAND के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती HARSH JAIN पिता/पति, श्री/श्रीमती PREMRAJ JAIN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35315 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35315
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR652M01861 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PANI CHUURA पिता/पति, श्री/श्रीमती BANMALI CHUURA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SURAJ CHURA पिता/पति, श्री/श्रीमती PANI CHURA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35324/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35324
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR445E00007 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती BHAVYAVESH SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती DHANPRASAD SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती POORNENDRA SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती SW.PRADHAN PRASAD SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35325 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35325
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR445E00179 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RATNA KUMARI पिता/पति, श्री/श्रीमती CHARAN DASWANI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SUNITA KODWANI पिता/पति, श्री/श्रीमती PITAMBER KODWANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35326/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35326
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR445E00237 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती VIBHA DAGA पिता/पति, श्री/श्रीमती ANAND DAGA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती CHAHAT NEBHWANI पिता/पति, श्री/श्रीमती AMIT KUMAR NEBHWANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35327/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35327
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR445E00232 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती REKHA PANJWANI पिता/पति, श्री/श्रीमती KISHAN CHAND PANJWAN के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती MAHIMA NEBHWANI पिता/पति, श्री/श्रीमती ANIL KUMAR NEBHWANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /35451/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35451
वार्ड का नाम-8 -महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR226Z0052C जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DEEPIKA DEWANGAN पिता/पति, श्री/श्रीमती THAKUR RAM के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SATNAM SINGH पिता/पति, श्री/श्रीमती SATNAM SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /35417/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35417
वार्ड का नाम-8 -महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR226H0577A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DIKENDRA KUMAR KHUTE पिता/पति, श्री/श्रीमती SANTULAL KHUTE के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती BALESHWAR PRASAD VARMA पिता/पति, श्री/श्रीमती CHANDRABHAN VERMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35557/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35557
वार्ड का नाम- 58 श. पंकज विक्रम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 58 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी–आई.डी.– RPR443A00146 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती GOVT. NAZUL LAND MOHAN LAL JANGDE पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RAMLA JANGDE पिता/पति श्री/श्रीमती LATE MOHAN LAL JANGDE ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हितग्राही को **श्रीमती सरोजबाला यदु पति श्री तरूण कुमार यदु** को भवन / भूखण्ड क्र.– MIG STD. 176 Phase-01. कॉलोनी रायपुर में छत्तीसगढ़ **कबीर नगर गृह निर्माण मण्डल,** द्वारा आबंटित हैं, हितग्राही द्वारा आवासीय भूखण्ड/भवन को फ्री–होल्ड अधिकार में संपरिवर्तन हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर फ्री–होल्ड अधिकार में संपरिवर्तन किया जाना है, इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर मय दस्तावेजसहित, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **गुढियारी कालोनी, रायपुर** में निर्मित जनता योजना के अंतर्गत, भवनों में से भवन **क्रमांक- जनता-190, श्री जय तिवारी पिता स्व. श्री ध्रुव प्रकाश तिवारी** को भाड़ाक्रय आधार पर नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 20.10.2010** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु **दिनांक** 10.09.2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्रीमती मीना वाधवा पति श्री परमानंद वाधवा** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35562/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35562
वार्ड का नाम-22 -पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR812F00281 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SHARDA MAHESHWARI पिता/पति, श्री/श्रीमती KEDARNATH MAHESHWARI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विनीत महेश्वरी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **केदारनाथ महेश्वरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35565/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35565
वार्ड का नाम-22 -पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR814J00025 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PRABHUNATH RAJBHAR पिता/पति, श्री/श्रीमती LATE JAYSHRI PRASAD के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सुशीला साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **राजकुमार साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35561/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35561
वार्ड का नाम-23 - शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR812F00632 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SHARDA MAHESWARI W/O KEDARNATH MAHESWARI, VINIT MAHESWARI पिता/पति, श्री/श्रीमती KEDARNATH MAHESWARI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विनीत महेश्वरी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **केदारनाथ महेश्वरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सेवा संकल्प अभियान में हर वर्ग की हो जनभागीदारी- जिला पंचायत सीईओ

पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से शत प्रतिशत संतृप्त करने के निर्देश

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला पंचायत सीईओ ,विजेंद्र सिंह पाटले की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप परिणाममूलक कार्य करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ श्री पाटले ने कहा कि सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

जिला पंचायत सीईओ श्री पाटले ने सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत 17 अक्टूबर तक आयोजित होने गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने सेवा सेतु शिविर के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने को कहा। सेवा मेरा योगदान सहित अन्य आयोजित होने वाली गतिविधियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ ने विभागीय अधिकारियों को अभियान की गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप दें और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से शत-प्रतिशत संतृप्त करना सुनिश्चित करें।

जिला पंचायत सीईओ ने राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जांच एवं उपचार शिविरों की जानकारी ली। उन्होंने सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों को कार्य-प्रदर्शन में सुधार लाते हुए अधिक से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीपीएम को कार्यों की नियमित निगरानी करने और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने को कहा।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री पाटले ने विकासखंडवार आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं वितरण की समीक्षा की। उन्होंने आयुष्मान वय वंदना कार्ड की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष पात्र हितग्राहियों के कार्ड शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के दौरान सघन अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से शत-प्रतिशत संतृप्त करें उन्होंने स्वास्थ्य शिविरों की प्रगति की जानकारी लेते हुए शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ देने के निर्देश दिए।

श्री पाटले ने नियमित टीकाकरण और टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक लोगों को निक्षय मित्र बनने के लिए प्रेरित करने को कहा, जिससे टीबी मरीजों को आवश्यक पोषण एवं सहयोग मिल सके। बैठक में श्री पाटले ने विद्यार्थियों की आधार आईडी एवं अपार आईडी प्रगति की भी समीक्षा की उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र परिवारों को इसके लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दें तथा अधिक से अधिक लोगों को योजना से लाभान्वित करें।

जिला पंचायत सीईओ ने एग्रीस्टेक पंजीयन और डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्यों में प्रगति की जानकारी लेते हुए तेजी लाने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने सीएम हेल्पलाइन, समय सीमा में लंबित प्रकरण, जनशिकायत में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा करते हुए लंबित आवेदनों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती नयन तारा सिंह तोमर, जगन्नाथ वर्मा सहित सभी अधिकारीगण उपस्थित थे।

नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख 55 हजार रुपए की ठगी मामले में खड़गवां पुलिस को मिली सफलता एक आरोपी हुआ गिरफ्तार

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख 55 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में सूरजपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी ललित राम ग्राम खड़गवां माझापारा ने चौकी खड़गवां में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसे नौकरी लगाने के नाम पर निलेश पाल व 2 अन्य लोगों के द्वारा फर्जी एसईसीएल अधिकारी बनकर एसईसीएल में नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख 55 हजार रूपये लिए और नौकरी का फर्जी नियुक्ति पत्र देकर धोखाधड़ी किया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर चौकी खड़गवां में अपराध क्रमांक 281/2026 धारा 318(4), 338, 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। चौकी खड़गवां पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान मुखबीर की सूचना एवं तकनीकी संसाधनों की मदद से दबिश देकर आरोपी निलेश पाल पिता स्व. पिन्टू पाल उम्र 38 वर्ष निवासी सरभोका, चौकी घाट के नीचे नागपुर, थाना पोड़ी, जिला एमसीबी को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने अपने दोनों साथियों के साथ मिलकर उक्त रकम फोन-पे एवं नगदी रकम लेकर धोखाधड़ी को अंजाम देना स्वीकार किया। मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी खड़गवां मनोज सिंह व उनकी टीम सक्रिय रही।

जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ ने सुनी आमजनों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र पाटले ने आयोजित जनदर्शन में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं आत्मीयता से सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक से उनकी समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनकर प्राप्त आवेदनों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक आवेदन का शीघ्र निराकरण करें तथा आवेदकों को उनके प्रकरण की स्थिति से भी अवगत कराएं।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, नयन तारा सिंह तोमर एवं अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

करंट प्रवाहित नंगे तार की चपेट में आने से युवक की मौत, आरोपी गिरफ्तार

बाड़ी में बिजली का तार घेरकर करंट प्रवाहित करने का आरोप, पुलिस ने जेल भेजा

बलरामपुर-रामानुजगंज। त्रिकुंडा थाना क्षेत्र के गोवर्धनपुर में नंगे बिजली के तार में करंट प्रवाहित करने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इसी तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 105 बीएनएस और विद्युत अधिनियम 2005 की धारा 135 के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के मुताबिक, गोवर्धनपुर निवासी लहन राम (40) की 8 सितंबर 2026 को करंट लगने से मौत हुई थी। घटना के बाद थाना त्रिकुंडा में मर्ग क्रमांक 39/2026 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई।

मर्ग जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सूचक व गवाहों से पूछताछ के साथ पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा विद्युत विभाग से प्राप्त प्रतिवेदन का परीक्षण किया। जांच में सामने आया कि राम सिंह (24), निवासी गोवर्धनपुर ने विद्युत पोल से बिजली लाइन का तार खींचकर अपने घर के पास स्थित मक्का बाड़ी में सेंट्रिंग के नंगे तार से घेराव किया था और उसमें बिजली का करंट प्रवाहित किया गया था।

पुलिस के अनुसार, 8 सितंबर को लहन राम अपनी बाड़ी में जुताई करने गया था। इसी दौरान पानी पीने के लिए राम सिंह की मक्का बाड़ी के रास्ते से गुजरते समय वह नंगे तार के संपर्क में आ गया, जिससे करंट लगने से उसकी मौत हो गई।

जांच में आरोपी के खिलाफ अपराध घटित करना पाए जाने पर थाना त्रिकुंडा में अपराध क्रमांक 67/2026, धारा 105 बीएनएस एवं विद्युत अधिनियम 2005 की धारा 135 के तहत अपराध दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी राम सिंह, पिता सुधु राम, उम्र 24 वर्ष, निवासी गोवर्धनपुर, थाना त्रिकुंडा को 19 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया।

शिवपुर-चरचा में रेलवे अंडरब्रिज के आगे पुलिया धंसी, वैकल्पिक मार्ग से आवागमन की अपील

कलेक्टर ने लिया संज्ञान, एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का लिया जायजा; रेलवे 30 से 45 दिनों में करेगा पुनर्निर्माण

कोरिया। शिवपुर-चरचा क्षेत्र में रेलवे अंडरब्रिज एबी-40 के किलोमीटर 967/1-2 के पास सड़क के नीचे लगी ह्यूम पाइप क्षतिग्रस्त होकर धंस गई है। इसके चलते मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने तत्काल बैकुण्ठपुर एसडीएम को मौके पर भेजकर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए।

एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से चर्चा की तथा क्षतिग्रस्त पुलिया एवं सड़क की स्थिति का निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से नगर पालिका परिषद शिवपुर-चरचा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को क्षतिग्रस्त हिस्से से आवागमन रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाने के निर्देश दिए गए हैं। नगर पालिका परिषद शिवपुर-चरचा द्वारा रेलवे प्रशासन को पत्र प्रेषित कर क्षतिग्रस्त पुलिया के स्थान पर नई पुलिया का निर्माण शीघ्र कराने का अनुरोध किया गया है। रेलवे प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पुलिया के पुनर्निर्माण एवं सड़क की बहाली में लगभग 30 से 45 दिनों का समय लग सकता है।

भारी वाहनों के आवागमन से बढ़ा दबाव- प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह मार्ग मुख्य रूप से एसईसीएल चरचा साइडिंग एवं कॉलोनी के स्थानीय आवागमन के लिए उपयोग होता है। पिछले लगभग 7-8 महीनों से चरचा क्षेत्र से कोयला परिवहन के लिए सड़क मार्ग से भारी लोडेड ट्रकों की आवाजाही भी बढ़ी है। वर्तमान मानसून के दौरान लगातार भारी वाहनों के आवागमन के साथ सड़क के नीचे की मिट्टी में पानी के प्रवेश एवं जलभराव से ह्यूम पाइप तथा सड़क की संरचना पर अतिरिक्त दबाव पड़ा, जिससे पुलिया के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति बनी। रेलवे एवं संबंधित विभागों द्वारा संयुक्त निरीक्षण के बाद क्षति के वास्तविक कारण तथा आवश्यक सुधार कार्य का विस्तृत निर्धारण किया जाएगा।

वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील- क्षतिग्रस्त पुलिया से आवागमन फिलहाल सुरक्षित नहीं होने के कारण नगरवासियों, स्कूली छात्र-छात्राओं, स्कूल वाहनों, एंबुलेंस, भारी वाहनों एवं आम नागरिकों से उपलब्ध वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील की गई है।

एसीसी जामुल में अदाणी फाउंडेशन के उत्थान प्रोग्राम ने युवा प्रतिभा को शिक्षा और खेल में उत्कृष्टता दिलाई

जामुल: एसीसी , विविधीकृत अडानी पोर्टफोलियो की सीमेंट एवं निर्माण सामग्री कंपनी, अदाणी फाउंडेशन के साथ मिलकर युवाओं को सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से उबरने तथा अपनी पूर्ण क्षमता हासिल करने में सहयोग प्रदान कर रही है। पूर्वी देवांगन का जन्म एक आर्थिक रूप से सीमित परिवार में हुआ। शिक्षा जारी रखने के साथ-साथ खेलों में अपने सपनों को साकार करना उनके लिए आसान नहीं था। उनके पिता दर्जी के रूप में कार्य करते हैं, जबकि उनकी माता कालीन बुनाई से परिवार की आय में योगदान देती हैं। ऐसे में पढ़ाई और प्रतिस्पर्धी कराटे प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना उनके लिए लगातार चुनौतीपूर्ण रहा। अदाणी फाउंडेशन के उत्थान प्रोग्राम के माध्यम से पूर्वी को निरंतर शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त हुई, जिसने उन्हें सीखने की कमियों को दूर करने,

आत्मविश्वास बढ़ाने और अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहने में मदद की। उत्थान प्रोग्राम के शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें बोर्ड परीक्षा की तैयारी और कठोर खेल प्रशिक्षण के बीच प्रभावी संतुलन स्थापित करने में सहायता की। इसके परिणामस्वरूप उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ। कक्षा 11 में 55.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली पूर्वी ने कक्षा 12 में 71.4 प्रतिशत अंक हासिल किए। शिक्षा के साथ-साथ उन्होंने खेल क्षेत्र में भी देश का नाम रोशन किया और बांग्लादेश में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। पूर्वी की कहानी इस बात का उदाहरण है कि अदाणी फाउंडेशन का उत्थान प्रोग्राम किस प्रकार युवाओं को शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक सहयोग और अवसर प्रदान कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग गैलेक्सी S26 FE की भारत में बिक्री शुरू, कीमत 79,999 रुपये, आसान किस्त और 8,000 रुपये तक के अपग्रेड बोनस के ऑफर्स भी मिलेंगे

गुरुग्राम: सैमसंग इंडिया ने आज अपनी गैलेक्सी S26 सीरीज के नए स्मार्टफोन गैलेक्सी S26 FE की बिक्री शुरू होने की घोषणा की। 79,999 रुपये की कीमत में उपलब्ध यह स्मार्टफोन पिस्ताचियो, ब्लूबेरी और ग्रेफाइट रंगों में आता है। गैलेक्सी S26 FE खरीदने वाले ग्राहक कई तरह के ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं, जिसमें पुराना फोन एक्सचेंज करने पर 8,000 रुपये तक का अपग्रेड बोनस शामिल है। ग्राहक बिना किसी डाउन पेमेंट के 30 महीने तक की आसान किस्त या चुनिंदा एनबीएफसी पार्टनर्स के जरिए 10 महीने की डाउन पेमेंट के साथ 40 महीने तक की किस्त का विकल्प भी चुन सकते हैं। दोनों ईएमआई विकल्पों पर ग्राहकों को 3,000 रुपये का अतिरिक्त अपग्रेड बोनस मिल सकता है। गैलेक्सी S26 FE में बेहतर कैमरा सिस्टम, स्मार्ट गैलेक्सी एआई फीचर्स, दमदार परफॉर्मेंस और 6.7-इंच का बड़ा डायनैमिक एमोलेड 2X डिस्प्ले मिलता है। इसमें एक्सीनॉस 2500 प्रोसेसर, 4,900mAh की बैटरी और पानी व धूल से बचाव के लिए IP68 रेटिंग दी गई है।

रोज़मर्रा की ज़िंदगी के खास पलों को करें कैप्चर- गैलेक्सी S26 FE में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है, जिसमें 50MP का वाइड कैमरा, 12MP का अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 3× ऑप्टिकल जूम वाला 8MP का टेलीफोटो कैमरा शामिल है। वहीं, सेल्फी और वीडियो कॉल के लिए 12MP का फ्रंट कैमरा मिलता है। माई फैन कैम फीचर किसी चुने हुए व्यक्ति के हिलने-डुलने पर भी उसे फ्रेम के सेंटर में रखता है। यह फीचर अपने आप वीडियो को रीफ्रेम कर देता है, जिससे बार-बार खुद से एडजस्टमेंट करने की जरूरत नहीं पड़ती। चलते-फिरते सब्जेक्ट्स और ट्रैवल वीडियो के लिए सुपर स्टेडी विद हॉरिजॉन्टल लॉक फीचर ज्यादा स्मूथ और स्थिर फुटेज शूट करने में मदद करता है।

कोरिया मोदक से सोनकुंवर को मिला पोषण का संबल, स्वस्थ बच्चे के जन्म से परिवार में आई खुशियां

कोरिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं के पोषण और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब गांवों में दिखाई देने लगा है। मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित पोषण संबंधी पहल से जुड़ी कोरिया मोदक जैसी पौष्टिक पहल गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त पोषण का संबल बन रही है। ग्राम सुन्दरपुर के कचारीपारा की रहने वाली सोनकुंवर पति हंसराज सिंह की कहानी इसी बदलाव की एक प्रेरक मिसाल है।

सोनकुंवर, आंगनबाड़ी केंद्र कचारीपारा की हितग्राही हैं। गर्भावस्था के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समिला सिंह, सुपोषण सखी मोना सिंह और पर्यवेक्षक शिवांगी द्वारा उन्हें कोरिया मोदक के नियमित सेवन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यकर्ताओं ने उन्हें इसके सेवन की उपयोगिता समझाते हुए नियमित रूप से दो समय इसका सेवन करने के लिए प्रेरित किया।

सोनकुंवर बताती हैं कि गर्भावस्था की पहली तिमाही में उनका वजन लगभग 45 किलोग्राम था। छठवें माह में उनका वजन करीब 50 किलोग्राम हुआ। इसके बाद उन्होंने कोरिया मोदक का नियमित रूप से सेवन शुरू किया। गर्भावस्था के अंतिम दिनों तक उनका वजन बढ़कर लगभग 55 किलोग्राम हो गया। नियमित पोषण और देखभाल के साथ उन्होंने स्वयं को स्वस्थ और बेहतर महसूस किया।

गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य जांच में भी उन्हें सकारात्मक स्थिति महसूस हुई। सोनकुंवर के अनुसार, नियमित सेवन के बाद जांच कराने पर उनके रक्त की स्थिति में भी सुधार रहा और उनका स्वास्थ्य सामान्य रहा। इसके बाद जब उन्होंने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया, तो बच्चे का वजन 3.500 किलोग्राम रहा। जन्म के बाद से बच्चा स्वस्थ है और परिवार में खुशी का माहौल है।

सोनकुंवर के शब्दों में-मुझे अच्छा और स्वस्थ महसूस हुआ- सोनकुंवर कहती हैं, जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दीदी समिला सिंह, सुपोषण सखी मोना सिंह और पर्यवेक्षक शिवांगी मैडम ने मुझे आंगनबाड़ी केंद्र में बुलाकर कोरिया मोदक खिलाया और इसके बारे में बताया, तो मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने लगभग तीन महीने तक दोनों समय इसका सेवन किया। इससे मेरा स्वास्थ्य अच्छा रहा और मैं खुद को स्वस्थ महसूस करती रही। मेरे बच्चे का जन्म भी स्वस्थ हुआ। इसके लिए मैं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दीदी, सुपोषण सखी और पर्यवेक्षक सहित सभी का धन्यवाद करती हूं।

सोनकुंवर की कहानी यह बताती है कि जब योजनाओं का लाभ सही समय पर हितग्राही तक पहुंचता है और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सुपोषण सखी जैसी मैदानी कार्यकर्ता लगातार मार्गदर्शन देती हैं, तो सरकारी पहल का वास्तविक लाभ परिवारों तक पहुंचता है। कोरिया मोदक के नियमित सेवन और पोषण संबंधी जागरूकता ने सोनकुंवर की गर्भावस्था को बेहतर बनाने में उनका साथ दिया और स्वस्थ बच्चे के जन्म के साथ परिवार के जीवन में खुशियों की नई शुरुआत हुई।

संपादकीय

हकीकतें सिर उठाकर खड़ी

जीडीपी आंकड़ों के जरिए अगर मकसद खुशहाली का राजनीतिक कथानक गढ़ना नहीं, बल्कि जमीनी स्थितियों का सही अंदाजा लगाना है, तो सरकार को उन पर उठाए गए प्रश्नों और आलोचनात्मक चर्चा का स्वागत करना चाहिए। नरेंद्र मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए किर्गिजिस्तान में थे, मगर वहीं से रील बना कर उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े से सारे देश में खुशी छा गई है! सत्ता पक्ष और मेनस्ट्रीम मीडिया अभी इस खुशी को बांटने में ही जुटा था कि बकौल वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अपने को अर्थशास्त्री कहने वाले कुछ बेरोजगार लोगों ने टीवी चैनलों पर आकर देश को नुकसान पहुंचा दिया! अनुमान लगाया जा सकता है कि गोयल का निशाना पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग की ओर है। गर्ग ने सोमवार को जारी जीडीपी आंकड़े में मौजूद तथ्यात्मक विसंगतियों की चर्चा की है। सरकार ने अभी तक नहीं बताया है कि गणना की पिछली सीरीज के आधार पर 2025-26 की पहली तिमाही में जीडीपी के 86 लाख करोड़ रुपये का होने का अनुमान लगा था, तो उसे नई सीरीज की गणना में 80 लाख करोड़ क्यों कर दिया गया? गणना में इसी गिरावट के कारण इस वर्ष की पहली तिमाही में अनुमानित 88 लाख करोड़ की नोमिनल जीडीपी साल भर पहले की तुलना में 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ी दिखती है। बाद में सरकार ने स्पष्टीकरण जारी किया। मगर उससे गर्ग के उठाए प्रश्नों का उत्तर नहीं मिला है। बल्कि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल जो कहा है, उससे गर्ग की दलील को बल मिलता ही मालूम पड़ा है। भारत में, खासकर नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में, आर्थिक आंकड़ों की गणना को लेकर अक्सर सवाल उठे हैं। नई सीरीज में मैनुफैक्चरिंग के आकलन को लेकर अरविंद सुब्रह्मण्यम और आर. नागराज सहित कई अर्थशास्त्री गंभीर सवाल खड़े कर चुके हैं। अत: जीडीपी आंकड़ों के जरिए अगर मकसद खुशहाली का राजनीतिक कथानक गढ़ना नहीं, बल्कि जमीनी स्थितियों का सही अंदाजा लगाना है, तो सरकार को ऐसे प्रश्नों और चर्चा का स्वागत करना चाहिए। उससे वास्तविक विकास की नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। लेकिन अगर मकसद खुशहाली की अयथार्थ कहानियां फैलाना है, तो उसे समझना चाहिए कि ऐसे प्रयासों की सफलता का दौर गुजर चुका है। अब हकीकतें सिर उठाकर खड़ी हो चुकी हैं।

जल के लिए सहयोग:सामूहिक प्रयास का भारत का आह्वान

सी. आर. पाटिल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

जल हमें उन तरीकों से जोड़ता है, जिनमें बहुत कम अन्य संसाधन जोड़ पाते हैं। नदियाँ प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भूजल के स्रोत कई समुदायों की जरूरतें पूरी कर सकते हैं। आज होने वाली बारिश कल पीने के पानी, सिंचाई, भूजल या नदी के प्रवाह का आधार बनती है। इससे एक सरल लेकिन महत्वपूर्ण सिद्धांत सामने आता है: जल एक साझा संसाधन है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखना हमारी साझा जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ भारत 22 से 26 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में वैश्विक जल समुदाय का स्वागत करेगा। इसका आयोजन जल शक्ति मंत्रालय कर रहा है। इस वर्ष की थीम है- जलवायु के प्रति लचीला जल प्रबंधन। जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र लगातार अनिश्चित होता जा रहा है। ऐसे समय में यह विषय विशेष रूप से प्रासंगिक है। भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह केवल एक सम्मेलन नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहाँ सरकारें, विशेषज्ञ, उद्योग जगत, समुदाय और अंतरराष्ट्रीय साझेदार अपने अनुभव, तकनीक और विचार साझा कर सकते हैं तथा भविष्य के लिए साझेदारियाँ बना सकते हैं। इसका उद्देश्य जल क्षेत्र से जुड़े हालिया विभागीय शिखर सम्मेलन की भावना और उससे मिली सीख को भी आगे बढ़ाना है। इस सम्मेलन का विचार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रखा था। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने एक साथ आकर जल क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की, अपने अनुभव साझा किए और आगे की राह तय करने पर विचार-विमर्श किया। भारत इस संवाद में बड़े स्तर पर जल और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं को लागू करने का व्यापक अनुभव लेकर आया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण भारत में 15.9 करोड़ से अधिक घरों तक नल से पानी पहुँचाया गया है। वर्ष 2019 में ऐसे घरों की संख्या 3.23 करोड़ थी। जल जीवन मिशन 2.0 का मुख्य उद्देश्य जलापूर्ति के बुनियादी ढाँचे को भरोसेमंद सार्वजनिक सेवा व्यवस्था में बदलना है। इसके तहत ग्राम पंचायतों और उनकी ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) को ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति सेवाओं के संचालन, रखरखाव और निगरानी के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। इन्हें स्थानीय स्तर पर छोटी जल सेवा इकाइयों के रूप में विकसित किया जा रहा है। 'जल सेवा आकलन' ग्राम पंचायत के नेतृत्व में की जाने वाली एक डिजिटल पहल है। इसके तहत हर घर जल वाले गाँवों में पीने के पानी की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थिरता का आकलन किया जाता है। यह पहल बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर लगातार बेहतर जल सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसमें जनभागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों और गाँव की संस्थाओं को आकलन की प्रक्रिया के केंद्र में रखा गया है। नमामि गंगे कार्यक्रम के माध्यम से भारत ने गंगा और उसकी सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। इसमें सीवेज से जुड़े बुनियादी ढाँचे और प्रदूषण कम करने के प्रयासों के साथ-साथ नदी के पर्यावरण को बहाल करने, जैव विविधता के संरक्षण और लोगों की भागीदारी पर भी ध्यान दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 527 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 367 पूरी हो चुकी हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन 4,263 मिलियन लीटर सीवेज के शोधन की क्षमता तैयार की गई है। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण से भी एक महत्वपूर्ण सीख मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। इससे केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही नहीं हुआ, बल्कि हमारी माताओं और बहनों को सम्मान मिला है और लोगों के व्यवहार में बदलाव सुनिश्चित करने में भी मदद मिली है। इस मिशन के दूसरे चरण में ठोस और तरल कचरे के प्रबंधन पर भी ध्यान दिया गया है। इसके तहत घरों और सामुदायिक स्तर पर इस्तेमाल के बाद निकलने वाले पानी यानी ग्रे-वॉटर के प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इन सभी योजनाओं में एक बात समान है- 'जनभागीदारी'। इसके पीछे यह विश्वास है कि सरकारी नीतियाँ तब सबसे अधिक प्रभावी होती हैं, जब लोग केवल योजनाओं के लाभार्थी न रहकर उनके सक्रिय भागीदार बनते हैं। जल संरक्षण के हमारे प्रयासों में भी यही दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। 'जल संचय जनभागीदारी' और 'कैच द रेन' (वर्षा जल संचयन) जैसे अभियानों के माध्यम से हमारा उद्देश्य जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना तक सीमित न रखकर लोगों की आदत और जनआंदोलन बनाना है। जलवायु के अनुकूल जल प्रबंधन तभी सफल हो सकता है, जब स्थानीय लोग इसे समझें, इसे अपनी जिम्मेदारी मानें और इसे लंबे समय तक बनाए रखें। हाल ही में हमने 'कैच द रेन' अभियान का गीत भी जारी किया है। भारत के अनुभव से यह भी सीख मिलती है कि जल संबंधी चुनौतियों का कोई एक समाधान नहीं हो सकता। हिमालयी राज्य की जरूरतें किसी सूखे क्षेत्र से अलग होती हैं। इसी तरह, तेजी से बढ़ते शहर की चुनौतियाँ ग्रामीण समुदाय की चुनौतियों से अलग होती हैं। हमारे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विविध परिस्थितियों के कारण जल प्रबंधन का व्यापक अनुभव उपलब्ध है। इसमें भूजल का स्तर बढ़ाना, सिंचाई में पानी का बेहतर इस्तेमाल, पेयजल व्यवस्था का सामुदायिक प्रबंधन और इस्तेमाल किए जा चुके पानी का दोबारा उपयोग जैसे विषय शामिल हैं। जब इन अनुभवों को साझा किया जाता है, तो स्थानीय स्तर पर सफल रहे समाधान उन क्षेत्रों तक भी पहुँच सकते हैं, जहाँ उनकी शुरुआत नहीं हुई थी। यही सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लागू होता है। जल सुरक्षा के सभी सवालों के जवाब किसी एक देश के पास नहीं हैं। हर देश के पास कुछ ऐसा अनुभव है, जिससे दूसरे देश सीख सकते हैं, और हर देश दूसरों से कुछ सीख सकता है। इसलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का उद्देश्य किसी पर समाधान थोपना नहीं, बल्कि साझेदारी को बढ़ावा देना है। इसमें जल प्रबंधन, तकनीक, वित्तपोषण और जलवायु संबंधी जोखिमों से निपटने के वैश्विक अनुभवों के साथ भारत के अपने अनुभवों पर भी चर्चा होगी। जल का प्रबंधन अलग-अलग करके नहीं किया जा सकता। जल सुरक्षा का सीधा संबंध खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण सुरक्षा और सतत विकास से है। इसीलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में नदी घाटियों और भूजल स्रोतों के प्रबंधन, इस्तेमाल किए जा चुके पानी के पुन: उपयोग, पानी के कुशल इस्तेमाल, मौसम एवं जल संबंधी पूर्वानुमान, समय रहते चेतावनी देने वाली प्रणालियों और नदियों में पर्यावरण के लिए आवश्यक जल प्रवाह जैसे विषयों पर चर्चा होगी। तकनीक इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेहतर आँकड़ों, वैज्ञानिक मॉडलों और डिजिटल प्रणालियों की मदद से हम समझ सकेंगे कि पानी की उपलब्धता में किस तरह बदलाव हो रहा है, संभावित खतरों का पहले से अनुमान लगा सकेंगे और पानी का अधिक कुशलता से इस्तेमाल कर सकेंगे। लेकिन तकनीक का सबसे अधिक लाभ तभी मिलता है, जब वह सरकारों, स्थानीय संस्थाओं और समुदायों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करे। यही वजह है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों, नए उद्यमों और युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। जल जीवन मिशन में किए जा रहे संस्थागत सुधारों के तहत 'सुजलम भारत' डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आँकड़ों और तकनीक की मदद से बेहतर योजना बनाना, जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, कामकाज की निगरानी करना और नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप शासन व्यवस्था को बेहतर बनाना है। बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर भरोसेमंद जल सेवाएँ सुनिश्चित करने का यह बदलाव भारत की ऐसी जल व्यवस्था बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो चुनौतियों का सामना कर सके, जवाबदेह हो और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार हो। चुनौतियों के बढ़ते स्तर के साथ जल क्षेत्र में वित्तपोषण के तरीकों को भी बदलना होगा। सरकारी निवेश की भूमिका बुनियादी बनी रहेगी। लेकिन जलवायु के अनुकूल जल ढाँचे के निर्माण के लिए नए वित्तीय तरीकों, जिम्मेदार निजी भागीदारी और ऐसी साझेदारियों की भी जरूरत होगी, जो सार्वजनिक हित को केंद्र में रखते हुए संसाधन जुटा सकें। इसी के साथ, स्वस्थ नदियाँ, आर्द्रभूमियाँ, भूजल स्रोत और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र भी हमारे जल संबंधी बुनियादी ढाँचे का हिस्सा हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप अधिक अनिश्चित हो रहा है। कहीं बहुत तेज बारिश हो रही है, कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ रहा है, तो कहीं बाढ़ और भूजल पर दबाव जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, बेहतर वैज्ञानिक जानकारी और पूर्वानुमान, परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाला बुनियादी ढाँचा, मजबूत संस्थाएँ और जागरूक समुदाय जरूरी हैं। यही भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का व्यापक उद्देश्य है। इसके माध्यम से नेतृत्व, विज्ञान, योजनाओं का क्रियान्वयन, तकनीक, वित्त और जनभागीदारी को एक साझा मंच पर लाया जाएगा। 22 से 26 सितंबर तक भारत मंडपम भारत के जल क्षेत्र के अनुभवों और दुनिया भर के जल संबंधी ज्ञान का केंद्र बनेगा। हम बड़े स्तर पर योजनाओं को लागू करने से मिले अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हम दूसरों के अनुभवों को सुनने और उनसे सीखने के लिए भी उतने ही तत्पर हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र अधिक अनिश्चित हो सकता है, लेकिन हमारा जवाब अनिश्चित नहीं होना चाहिए। हमारा प्रयास सामूहिक, वैज्ञानिक, समावेशी और निरंतर होना चाहिए। चाहे गाँव का तालाब हो, भूजल का स्रोत हो, नदी घाटी हो या बदलती हुई वैश्विक जलवायु- सबसे एक ही सीख मिलती है: जल हम सभी को जोड़ता है। जल के भविष्य को केवल सरकारें सुरक्षित नहीं कर सकतीं। न ही कोई एक संस्था या देश अकेले ऐसा कर सकता है। जल हमारा साझा संसाधन है। जल सुरक्षा हमारी साझा जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की एक-एक बूंद सुरक्षित करनी होगी और प्रधानमंत्री के विकसित भारतञ्च2047 के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देना होगा।

(लेखक केंद्रीय जल शक्ति मंत्री हैं)

आलेख

आधुनिक भारत के शिल्पकार मोदी

अरुण साव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा की यात्रा सेवा, सुशासन और संकल्प की प्रेरणा है। वे आधुनिक भारत के शिल्पकार हैं। किसी भी योजना के प्रारम्भिक विचार से लेकर उसके क्रियान्वयन से जुड़े सभी पहलुओं पर अन्त्योदय की उनकी दृष्टि अनुकरणीय है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संगठन के किसी दायित्व में रहे हों या फिर प्रधानमंत्री के वर्तमान दायित्व में हों, वे सदैव समाज के वंचित वर्ग के उत्थान को वरीयता देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्षों में अधोसंरचना को विकास और रोजगार का मजबूत आधार बनाया है। देश में हर दिन लगभग 34 किलोमीटर से अधिक नए राजमार्ग बन रहे हैं। केंद्र सरकार ने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 35,766 करोड़ तथा राज्य मार्गों और प्रमुख पुलों के निर्माण के लिए 4,468 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है। रायपुर-विशाखापट्टनम, रायपुर-बिलासपुर-कटघोरा, नागपुर-संबलपुर और रायपुर-दुर्ग बायपास जैसे महत्वपूर्ण मार्गों के निर्माण से प्रदेश की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक सुधार हो रहा है। प्रदेश में 51 हजार करोड़ रुपए की लागत से रेलवे सुविधाओं के विस्तार पर काम हो रहा है। जगदलपुर-रावघाट रेल प्रोजेक्ट बस्तर के जनजातीय समाज के लिए केन्द्र सरकार का अमूल्य उपहार है। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2030 तक प्रदेश में रेल नेटवर्क दोगुना बढ़कर 2200 रूट किलोमीटर हो जाएगा। सड़कें विकास की जीवनरेखा हैं। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से हमारा प्रयास है कि अच्छी और सुरक्षित सड़कें केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि गाँव, कस्बे, औद्योगिक क्षेत्र और दूरस्थ अंचल भी बेहतर सम्पर्क से जुड़ें। प्रधानमंत्री ने सड़क और रेल सम्पर्क को जिस तरह आर्थिक प्रगति से जोड़ा है, उसी सोच के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी सड़क, पुल और भवन निर्माण के कार्यों को तेसे आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा दूसरा बड़ा संकल्प है, हर घर तक स्वच्छ पेयजल। प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के माध्यम से देश में पेयजल को जनआंदोलन का रूप दिया है। छत्तीसगढ़ में भी ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुँचाने के लिए बड़े स्तर पर काम हो रहा है। अब हमारी प्राथमिकता केवल नल कनेक्शन देना नहीं, बल्कि नियमित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुनिश्चित करना है। जलस्रोतों की स्थिरता, जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को भी हम इसके साथ जोड़ रहे हैं। शहर बदलेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का सपना पूरा होगा। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और अमृत मिशन के माध्यम से देश के शहरों के विकास की नई सोच दी है। छत्तीसगढ़ में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग इसी दिशा में साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर काम कर रहा है। हमारा प्रयास है कि छोटे नगरों में भी अच्छी और आधुनिक नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध हों। प्रधानमंत्री की नागरिकों के जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाने की दूरदृष्टि के साथ हम छत्तीसगढ़ के शहरों में समावेशी बनाने में जुटे हैं। युवा शक्ति विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं को खेल, कौशल, नवाचार और नेतृत्व से जोड़कर उन्हें राष्ट्र निर्माण के केंद्र में रखा है। छत्तीसगढ़ में भी खेल और खिलाड़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करना हमारी प्राथमिकता है। प्रतिभाओं को अवसर देने, खेल अधोसंरचना मजबूत करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। हमारी कोशिश है कि खेल प्रतिभाएँ केवल बड़े शहरों से नहीं, बल्कि गाँवों और जनजातीय अंचलों से भी सामने आएँ। बस्तर जैसे क्षेत्रों में खेलों के प्रति युवाओं का बढ़ता उत्साह इसका उदाहरण है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के साथ उनके भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। प्रधानमंत्री का मानना है कि देश का युवा केवल अवसर पाने वाला नहीं, बल्कि नए अवसर पैदा करने वाला भी बने। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ में युवाओं को कौशल, स्टार्टअप, नई तकनीक और रोजगार से जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बाहर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उन्हें छत्तीसगढ़ में ही आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलें।

भारतीय सिनेमा के जादू को राष्ट्र नमन.....

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार — एक नजर में

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सिनेमा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जाने वाले देश के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान हैं। 1954 में शुरू किए गए ये पुरस्कार हर साल सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रदान किए जाते हैं। सात दशकों से अधिक समय से, इन पुरस्कारों ने भारतीय फिल्म निर्माण में असाधारण रचनात्मक और तकनीकी उपलब्धियों को सराहा है। ये पुरस्कार तीन क्षेत्रों को कवर करते हैं — फीचर फिल्में, नॉन-फीचर फिल्में और सिनेमा पर लेखन। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वर्ष 2024 में भारतीय सिनेमा की उपलब्धियों को सम्मानित करते हैं। विजेताओं की घोषणा 18 जुलाई 2026 को तीनों जूरी के अध्यक्षों द्वारा की गई थी। भारत की राष्ट्रपति 22 सितंबर 2026 को गुजरात के एकता नगर (पूर्व में नाम केवड़िया) में ये पुरस्कार प्रदान करेंगी। ये पुरस्कार देश भर में फिल्म निर्माण की समृद्ध भाषाई, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विविधता को दर्शाते हैं। ये बड़े कमर्शियल प्रोडक्शन और छोटी इंडिपेंडेंट फिल्मों को एक ही राष्ट्रीय मंच पर एक साथ लाते हैं। यही व्यापकता इस सम्मान को फिल्म निर्माताओं और दर्शकों दोनों के बीच एक खास पहचान दिलाती है

क्या आप जानते हैं?

एक प्रमुख नीतिगत पहल के तहत, मंत्रालय ने देश के विभिन्न हिस्सों में इन पुरस्कारों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। भविष्य के संस्करण राष्ट्रीय राजधानी से आगे बढ़कर अलग-अलग राज्यों और शहरों तक पहुंचेंगे। एकता नगर में आयोजित यह समारोह देश भर की सिनेमाई प्रतिभाओं को एक मंच पर लाएगा। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करेगा।

विरासत और विकास — 1954 से अब तक

भारतीय सिनेमा की यात्रा 1913 में दादासाहेब फाल्के की फिल्म राजा हरिश्चंद्र के साथ शुरू हुई थी। 1949 में गठित फ़िल्म इन्क्वायरी कमिटी ने 'फिल्मों के लिए राज्य पुरस्कारों' की शुरुआत करने की सिफारिश की थी। इनका गठन भारतीय सिनेमा में कलात्मक और तकनीकी उत्कृष्टता को सम्मानित करने तथा उसे बढ़ावा देने के लिए किया गया था। ये पुरस्कार 1954 में शुरू हुए थे और इसके पहले संस्करण में वर्ष 1953 की फिल्मों को सम्मानित किया गया था।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का पहला संस्करण

पहला संस्करण तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया था, जिनके नाम हैं — फीचर फिल्में, वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) फिल्में और बाल फिल्में। मराठी फिल्म श्यामची आई ने सर्वश्रेष्ठ अखिल भारतीय फीचर फिल्म के लिए प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल जीता। महाबलीपुरम ने सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल जीता, और दो बीघा जमीन को सर्टिफिकेट ऑफमेरिट मिला। इस प्रकार केवल सात सम्मानों के साथ हुई एक सहज शुरुआत ने भारतीय सिनेमा के लिए राष्ट्रीय पहचान के सात दशकों का मार्ग प्रशस्त किया।

भारतीय सिनेमा का नया कैनवास

वर्ष 1967 की फिल्मों के लिए पहली बार कलाकारों और तकनीशियनों के लिए अलग-अलग पुरस्कार शुरू किए गए। उत्तम कुमार और नरगिस को 1968 में पहला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। उस समय सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के पुरस्कार को भारत और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार को उर्वशी कहा जाता था। दादासाहेब फाल्के पुरस्कार की शुरुआत 1969 में हुई और यह सबसे पहले देविका रानी को प्रदान किया गया। जैसे-जैसे भारतीय सिनेमा का दायरा और विस्तार बढ़ता गया, वैसे-वैसे इसमें नई श्रेणियों और तकनीकी विधाओं को लगातार जोड़ा जाता रहा।

वर्ष – महत्वपूर्ण पड़ाव

1913 – दादासाहेब फाल्के ने फिल्म राजा हरिश्चंद्र का निर्माण पूरा किया, जो भारतीय सिनेमा निर्माण के इतिहास में एक ऐतिहासिक पड़ाव साबित हुआ।

1954 – इन पुरस्कारों की शुरुआत फिल्मों के लिए राज्य पुरस्कार के रूप में की गई। पहला सम्मान वर्ष 1953 में बनी फिल्मों को प्रदान किया गया।

1967-68 – कलाकारों और तकनीशियनों के लिए पुरस्कारों की शुरुआत हुई। उत्तम कुमार और नरगिस ने पहले अभिनय सम्मान अपने नाम किए।

1969 – दादासाहेब फाल्के पुरस्कार की शुरुआत की गई। देविका रानी इसकी पहली विजेता बनीं।

1973 – फिल्म महोत्सव निदेशालय ने इन पुरस्कारों के आयोजन और संचालन की जिम्मेदारी संभाली।

2022 – फिल्म महोत्सव निदेशालय का एनएफडीसी में विलय कर दिया गया, जो वर्तमान में इन पुरस्कारों की आयोजक संस्था है।

2026 – 72वें पुरस्कारों की घोषणा जुलाई में की गई। इस सम्मान समारोह का आयोजन गुजरात के एकता नगर में किया जाएगा।

उद्देश्य एवं महत्व

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के उद्देश्यों को इसके आधिकारिक नियमों में स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है। ये पुरस्कार कलात्मक, तकनीकी उत्कृष्टता और सामाजिक प्रासंगिकता से परिपूर्ण फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहित करते हैं। ये दर्शकों को देश के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृतियों को समझने और उनकी सराहना करने में मदद करते हैं। ऐसा करके, ये पुरस्कार राष्ट्र की एकता और अखंडता को भी बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, ये पुरस्कार सिनेमा को एक कला के रूप में समझने, उसके अध्ययन और उसकी सराहना को बढ़ावा देते हैं। सिनेमा पर आधारित पुस्तकें, लेख और समीक्षाएँ इस कला के आलोचनात्मक मूल्यांकन को पाठकों के एक बड़े वर्ग तक पहुँचाती हैं।

यह सम्मान क्यों मायने रखता है

एक राष्ट्रीय पुरस्कार इस बात की पुष्टि करता है कि फिल्म ने राष्ट्र द्वारा निर्धारित उच्चतम मानकों को छुआ है। यह दर्शकों का ध्यान ऐसी रचनाओं की ओर खींचता है, जो केवल सीमित दर्शकों तक ही पहुँच पातीं। यह सम्मान फिल्म निर्माता के साथ हमेशा बना रहता है और उनकी अगली परियोजनाओं के लिए नए रास्ते खोलता है।

पुरस्कारों की संरचना

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन तीन प्रमुख वर्गों और एक लाइफटाइम ऑनर के साथ किया जाता है। फीचर फिल्म वर्ग पूर्ण लंबाई की फिल्मों के लिए है। गैर-फीचर फिल्म वर्ग वृत्तचित्रों, लघु फिल्मों, एनीमेशन और अन्य संबद्ध विधाओं के लिए समर्पित है। सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन वर्ग सर्वश्रेष्ठ पुस्तक और सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक को सम्मानित करता है। वहीं, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान के रूप में एक विशेष स्थान रखता है।

वर्ग - श्रेणियाँ - पदक - नकद पुरस्कार

फीचर फिल्म्स – 26 (स्पेशल मेंशन के साथ) – स्वर्ण कमल, रजत कमल – 3,00,000 और 2,00,000

गैर-फीचर फिल्म्स – 16 (स्पेशल मेंशन के साथ) – स्वर्ण कमल, रजत कमल – ? 3,00,000 और 2,00,000

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन – 2 – स्वर्ण कमल – 1,00,000

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार – स्वर्ण कमल, शॉल – 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के लिए 10,00,000

फीचर फिल्म वर्ग में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन और मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के अलावा अन्य श्रेणियाँ शामिल हैं। इसमें सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म, सर्वश्रेष्ठ सिनेमाटोग्राफी, सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन भी शामिल हैं। गैर-फीचर वर्ग में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म (शॉर्ट फिल्म) और सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फिल्म शामिल हैं। इसके अलावा इसमें सर्वश्रेष्ठ कला और संस्कृति फिल्म, सर्वश्रेष्ठ नरेशन या वॉयस ओवर और सर्वश्रेष्ठ पटकथा जैसे अवॉर्ड भी दिए जाते हैं।

प्रत्येक भाषा को सम्मान

संविधान की 8वीं अनुसूची में सूचीबद्ध प्रत्येक भाषा में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया जाता है। अनुसूची के बाहर की भाषाओं में बनी फिल्मों को अलग से विशेष पुरस्कारों के माध्यम से सम्मानित किया जाता है। 72वें संस्करण में, इसी प्रावधान के तहत गढ़वाली भाषा की फिल्म ढोली और तुलु भाषा की फिल्म इम्बू को सम्मानित किया गया।

पुरस्कार चयन प्रक्रिया

हर साल पिछले कैलेंडर वर्ष में प्रमाणित फिल्मों के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित की जाती हैं। इसके बाद मंत्रालय पुरस्कारों के तीनों वर्गों के लिए अलग-अलग जूरी (निर्णायक मंडल) का गठन करता है। इन जूरी सदस्यों के रूप में सिनेमा, संबद्ध कला रूपों और ह्यूमैनिटीज (मानविकी) के क्षेत्र से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियों को चुना जाता है। **फीचर फिल्मों के लिए दो-स्तरीय मूल्यांकन**

57वें संस्करण से लागू की गई दो-स्तरीय व्यवस्था के तहत फीचर फिल्मों का मूल्यांकन किया जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों से प्राप्त प्रविष्टियों को सबसे पहले पाँच क्षेत्रीय पैनल शॉर्टलिस्ट करते हैं। इसके बाद, एक केंद्रीय पैनल फीचर फिल्म वर्ग में पुरस्कार विजेताओं का अंतिम निर्णय लेता है। नॉन-फीचर फिल्म सेक्शन और सिनेमा पर बेहतरीन लेखन वाले सेक्शन के लिए अलग-अलग जूरी होती हैं। वहीं, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के लिए कोई प्रविष्टियाँ आमंत्रित नहीं की जाती हैं; इसकी प्रक्रिया अलग होती है। प्रतिष्ठित सिनेमा हस्तियों की एक विशेष रूप से गठित समिति इसके विजेता के नाम की सिफारिश करती है। **72वें संस्करण के जूरी सदस्य** श्री जयराज ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के लिए फीचर फिल्म जूरी की अध्यक्षता की। इसी संस्करण के लिए गैर-फीचर फिल्म जूरी की अध्यक्षता श्री असीम सिन्हा ने की। वहीं, सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन जूरी की अध्यक्षता श्री ए. चंद्रशेखर ने की।

पात्रता की संक्षिप्त शर्तें

फिल्मों को पुरस्कार वर्ष के दौरान सीबीएफसी द्वारा प्रमाणित होना अनिवार्य है और उनमें अंग्रेजी उपशीर्षक होने चाहिए। फीचर फिल्म की अवधि 72 मिनट से अधिक होनी चाहिए। डब की गई, रीमेक बनाई गई या पहले से प्रस्तुत की जा चुकी री-एडिटेड प्रतियाँ इसके लिए पात्र नहीं हैं।

भारतीय सिनेमा में व्यापक पहचान

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार देश के हर हिस्से में बनने वाली फिल्मों को समान महत्व देते हैं। 72वें संस्करण में मराठी, संथाली, तमिल, मलयालम, तेलुगु और कन्नड़ भाषा की फिल्मों को सम्मानित किया गया। कई अन्य भाषाओं के साथ-साथ तुलु और गढ़वाली फिल्मों को भी इस आयोजन में पहचान मिली। इसके अलावा, इतिहास में पहली बार गैर-फीचर फिल्म वर्ग में किसी संथाली फिल्म को सम्मानित किया गया।श्री रवि राज मुर्मू द्वारा निर्देशित फिल्म आंगेन ने बेस्ट डेब्यू फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर का पुरस्कार जीता। इस प्रकार की पहली ऐतिहासिक पहचान भारतीय सिनेमा के दायरे और मानचित्र को थोड़ा और विस्तृत करती है।

72वाँ संस्करण — प्रमुख आकर्षण

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में वर्ष 2024 के दौरान प्रमाणित भारतीय फिल्मों को शामिल किया गया है। इस संस्करण में आर्टिकल 370 ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार जीता। इसी फिल्म के लिए यामी गौतम ने मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। ममूटी और कार्तिक आर्यन ने मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार साझा किया। उन्हें यह सम्मान क्रमश: ब्रमायुगम और चंदू चैंपियन के लिए मिला। श्री राजकुमार पेरियासामी ने तमिल फिल्म अमरन के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्कार जीता। कल्कि 2898 एडी को संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म घोषित किया गया। श्री रणदीप हुड्डा ने स्वातंत्र्य वीर सावरकर के लिए डायरेक्टर की बेस्ट डेब्यू फिल्म का पुरस्कार जीता। भंगार को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म चुना गया, जबकि राम-नामी को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का पुरस्कार मिला।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान है। इसकी शुरुआत वर्ष 1969 में की गई थी, जब यह पहली बार देविका रानी को प्रदान किया गया था। यह पुरस्कार दादासाहेब फाल्के की स्मृति में दिया जाता है, जिन्होंने वर्ष 1913 में फिल्म राजा हरिश्चंद्र का निर्देशन किया था। इसके प्राप्तकर्ताओं को भारतीय सिनेमा के विकास और प्रगति में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है।

क्या आप जानते हैं? धुंडिराज गोविंद फाल्के (1870-1944), जिन्हें दादासाहेब फाल्के के नाम से जाना जाता है, ने 1913 में भारत की पहली पूर्ण-लंबाई वाली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र का निर्देशन किया था। इसके बाद उन्होंने 94 फीचर फिल्मों और 27 लघु फिल्मों का निर्माण किया। भारतीय सिनेमा के पितामह के रूप में सम्मानित दादासाहेब फाल्के की स्मृति में भारत सरकार द्वारा वर्ष 1969 में दादासाहेब फाल्के पुरस्कार की शुरुआत की गई थी।

हृदय में हो प्रभु का आसन और मन पर हो अनुशासन तो जीवन पावन बन जाएगा : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी

दमोह (कुण्डलपुर) (विश्व परिवार)। दशलक्षण धर्म के छठवें दिन उत्तम संयम धर्म की व्याख्या करते हुए निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि संयम के बिना जीवन का कोई भी कार्य सुखदायी नहीं हो सकता। संयम केवल साधु-संतों के लिए नहीं, बल्कि समाज, परिवार और देश-दुनिया के बीच रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए जरूरी है। समय, विचार, वाणी, इंद्रियों और अपनी प्रवृत्तियों पर नियंत्रण ही संयम की वास्तविक साधना है। प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्र के प्रचारमंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया दौपहर में निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज, मुनि श्री पवित्रसागर महाराज, ऐलक निश्चयसागर, ऐलक निजानंद सागर एवं ऐलक चैत्यसागर महाराज ससंघ के साथ सभी शिविरार्थी धूप दशमी के पावन अवसर पर शोभायात्रा के रूप में डीजे,बैंड पार्टी की मधुर स्वर लहरिया के बीच धर्म ध्वज लेकर आश्वारोही, धर्म प्रभावना रथ पर सवार ध्वज लेकर श्रेष्ठी जन,ध्वज पताकाएं लेकर महिला शिविरार्थी तीन-तीन पंक्तिबद्ध होकर भक्ति नृत्य कर भक्ति करते हुए निर्यापक श्रमण मुनिश्री समता सागर जी ,मुनि श्री पवित्र सागर जी ससंघ समस्त साधुगण के साथ शिविरार्थी श्रावक बड़ी संख्या में कतार वद्ध होकर सड़क मार्ग से कुण्डलाकार पहाड़ी पर स्थित पूज्य बड़े बाबा मंदिर पहुंचे वहां पर धूप खेवन का कार्यक्रम अत्यंत भक्ति भाव के साथ बड़े बाबा के दरबार में संपन्न हुआ। संयम का यह पर्व आत्मसंयम, और सादगी तथा अनुशासन के साथ मनाया गया ।बाल ब्र. धीरज भैया राहतगढ़ एवं ब्र. अनूप भैया के निर्देशन में प्रात:काल भगवान का अभिषेक एवं मुनि श्री के मुखारविंद से शांतिधारा संपन्न हुई ।इसके बाद सोलहकारण भावना, दशलक्षण धर्म एवं सुगंध दशमी की पूजन श्रद्धापूर्वक संपन्न हुई। निर्यापक श्रमणमुनि श्री समतासागर महाराज ने सभी को समय के साथ पालन करने को कहा कि सम्यक् यमो वा संयम:, अर्थात अपने ऊपर सम्यक रूप से नियंत्रण करना ही संयम है। व्यवहारिक जीवन में सबसे पहले अपने विचारों पर नियंत्रण आवश्यक है ।अनावश्यक और नकारात्मक विचार मन को अशांत करते हैं। किसी का भला कर पाएं या नहीं, लेकिन किसी का बुरा हो ऐसी भावना मन में नहीं आनी चाहिए। सभी जीवों के प्रति सुख और मंगल की भावना रखना भावों पर संयम की पहली सीढ़ी है ।उन्होंने कहा कि समाज और परिवार के बीच रहते हुए वाणी पर संयम रखना अत्यंत आवश्यक है। मुख से निकले शब्द वापस नहीं आते,बल्कि उनका प्रभाव घूमकर हमारे ही जीवन और संबंधों से जुड़ता है ।इसलिए बातचीत में मृदुता,विनम्रता, बड़ों के प्रति सम्मान,छोटों के प्रति स्नेह,गंभीरता और सहजता होनी चाहिए ।हास्य का पुट जीवन को सरस बनाता है,लेकिन हास्य-मजाक मर्यादित होना चाहिए अनियंत्रित मजाक संबंधों में विवाद पैदा कर सकता है ।व्यक्ति का असली परिचय सोशल मीडिया के प्रोफाइल से नहीं,बल्कि उसके व्यवहार और कुछ मिनट की बातचीत से सामने आता है ।वाणी के संयम को समझाते हुए मुनि श्री ने जीभ और दांत का उदाहरण दिया। दांतों को अपनी ताकत पर अहंकार था और जीभ को अपनी उपयोगिता पर। इसी अहंकार में दोनों के बीच विवाद हुआ ।बाद में जीभ ने एक पहलवान से अभद्र शब्द कह दिए तो उसके प्रहार से दांतों का सारा अहंकार चूर चूर हो गया। मुनि श्री ने कहा कि किसी को कमजोर समझकर उसका अपमान नहीं करना चाहिए।

भाटापारा नगर में दशलक्षण महापर्व की धूम, संयम सद्गति प्राप्त करने का प्रमुख साधन: सुमन लता मोदी

भाटापारा (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर भाटापारा में 10 लक्षण पर्युषण महापर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है द्य प्रात: 7:00 बजे भगवान का मंगल अभिषेक शांति धारा आरती और पूजन संपन्न हो रही है। आज मंगल अभिषेक शांति धारा करने का सौभाग्य श्री विनोद मोदी एवं संजय सिलचंद जैन को प्राप्त हुआ। शांति धारा के पश्चात मंगल आरती,सुरपति ले अपने शीश जगत के ईस गए गिरी राजा, संपन्न हुई।

सभी भक्तों ने खूब उत्साह के साथ भक्ति के साथ मंगल आरती की आरती के पश्चात देव शास्त्र गुरु पूजन, शीतल नाथ भगवान की पूजन, सोलह कारण पूजन, दसलक्षण पूजन एवं सुगंध दशमी पूजन संपन्न कर, महा अर्ध समर्पित किया गया ।

श्रीमती सुमन लता मोदी ने प्रवचन में कहा धर्म का छठवां लक्षण है उत्तम संयम,संयम का सीधा सा अर्थ है दौड़ते हुए इंद्रिय विषयों की लगाम अपने हाथ में रखना। अनादि काल से भटकते हुए आज यह दुर्लभ मनुष्य जन्म और जैन शासन मिला है, तो अब अपना कर्तव्य है कि संयम को धारण कर अपना कल्याण कर लें। जिस प्रकार प्रमाद से चिंतामनी रत्न समुद्र में गिर जाए तो उसका प्राप्त होना दुर्लभ है ,उसी प्रकार यह मनुष्य पर्याय और मोक्ष मार्ग को बताने वाला जैन धर्म मिलना दुर्लभ है। संयम सद्गति प्राप्त करने का प्रमुख साधन है। हमें नियम संयम का पालन सम्यक प्रकार से करना चाहिए। हमें अपने मन व इंद्रियों को अपने नियंत्रण में रखना चाहिए। संयम से रहित व्यक्ति किसी भी गति में जा सकता है।

कर्म के वेग को सहने की क्षमता असंयमी के पास नहीं होती। गुरुदेव कहते हैं जो एक बार खाए वह योगी, जो दो बार खाए वह भोगी, जो तीन बार खाए वह रोगी और जो बार-बार खाए उसकी क्या दशा होगी।

अंत में मां जिनवाणी की स्तुति अभिषेक मोदी के द्वारा की गई। रात्रि में देव शास्त्र गुरु की मंगल आरती संपन्न हुई। कल 22 सितंबर को उत्तम तप धर्म की पूजा संपन्न होगी।

अनन्त कर्मों की निर्जरा कर अनंत पुण्य का आश्रव ही अनंत चतुर्दशी है

कामा (विश्व परिवार)। भाद्र पद शुक्ल चौदस अर्थात अनंत चतुर्दशी का जैन धर्म मे विशेष महत्व है तो वही हिन्दू धर्म मे इस दिवस को भगवान विष्णु का एक विशेषण मानते हैं। एक किवदंती है कि इस दिन 14 गांठो से युक्त धागा पुरुषों द्वारा 14 वर्षो तक बांधा जाता है, जिससे दुख दरिद्रता दूर होती है। वही प्रथमेश गणेश जन्मोत्सव के उत्सव का चतुर्थी से प्रारम्भ होने वाले दस दिवसीय आयोजन का समापन भी अनन्त चतुर्दशी पर विसर्जन के साथ होता है।

अनंत शब्द का साधारण शाब्दिक अर्थ जिसे गिना नहीं जा सकता अर्थात जिसकी गिनती नहीं हो सकती होता है। इसे असीम,अपार,बेहद जैसे पर्यायवाची शब्दों से भी सुशोभित किया जाता है।

अनंत शब्द का संधि विच्छेद 'अन् + अंत' होता है। अनंत शब्द का मतलब है 'बिना- अंत'. यह एक संस्कृत शब्द है। अर्थात जिसका कोई अंत नहीं,वह अनंत है। इसी विचारधारा को लेकर जैन धर्म में दसलक्षण महापर्व भाद्र शुक्ल पंचमी से चतुर्दशी तक मनाया जाता हैं। प्रत्येक दिवस क्रमश: क्षमा मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन, ब्रह्मचर्य जैसे अनन्त फलदायी गुणों को धारण कर अनन्त कर्मो की निर्जरा कर अनंत पुण्य का आश्रव कर जीवन को वैराग्य की ओर अग्रसर किया जाता है।

जैन धर्म मे भी अनन्त चतुर्दशी व्रत की कथा में सोम और उसकी धर्मपत्नी सोमा का उल्लेख मिलता है। वो भी अनंत चतुर्दशी का 14 वर्ष तक व्रत रखते हैं। व्रत के दौरान रेशम(सूत) के धागे का अनंत बना प्रत्येक गांठ पर 14 गुणों का चिंतवन कर 14 गांठ लगा कर प्रभु के समक्ष अभिषेक करके अनंत को दाहिने भुजा या गले मे बांधते हैं।

'पंचम काल का महान अतिशय' नाटिका ने बांधा श्रद्धालुओं को अध्यात्म और भक्ति के रंग में

जतारा (विश्व परिवार)। श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज की जन्मनगरी श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र आदिश्वर धाम जतारा में दसलक्षण महापर्व श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। पर्व के दौरान प्रतिदिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विमर्श जागृति मंच के जिनागम पंथी बालिका मंडल द्वारा श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 'पंचम काल का महान अतिशय' नामक नाटिका का मनोहारी मंचन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात:कालीन बेला में भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। इसके पश्चात तत्वार्थ सूत्र का वाचन किया गया। सायंकालीन बेला में भगवान की आरती के बाद दीप प्रज्वलन कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिनागम पंथी बालिका मंडल की बालिकाओं ने 'पंचम काल का महान अतिशय' नाटिका के माध्यम से जैन धर्म की प्रभावना, धार्मिक आस्था एवं संस्कारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। बालिकाओं के अभिनय, संवाद, भाव-भंगिमाओं एवं मंच प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। नाटिका के माध्यम से जैन धर्म के सिद्धांतों, जिनवाणी के प्रभाव तथा धर्म के प्रति श्रद्धा को रोचक एवं भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की उपस्थिति से भक्तिमय वातावरण में नजर आया। प्रस्तुति के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए तालियों से अभिनंदन किया।

भारतीय जैन संगठन चैप्टर अध्यक्ष एवं जतारा जैन समाज उपाध्यक्ष अशोक कुमार जैन ने कहा कि दसलक्षण पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, संस्कारों एवं धर्म प्रभावना का अवसर है। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को जैन धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में जैन समाज अध्यक्ष महेंद्र टानगा, राजेंद्र राज, राजेश माते, मुकेश जैन बड़े, गुठ्ठले कोठादार, मयंक कोठादार, अंशुल चौधरी, हनी साइकिल, राधे टानगा, मोनू माते, चक्रेश जैन, राजू संघई, नीरज पटवारी, सचिन सिंघई, बबिता माची, शालिनी ठेकेदार, शालिनी माची, रंजना माते सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सत्य वचन से मन में शांति बढ़ती है: सुरेश मोदी

रायपुर (विश्व परिवार)। दिगंबर जैन समाज का पावन दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व के पंचम दिवस पर कचना स्थित अमलतास कैसल परिसर के 1008 श्री मुनि सुब्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 'उत्तम सत्य धर्म' की आराधना श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ की गई। इस अवसर पर श्रीजी को पाण्डुक शिला पर विराजित कर अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। नित्य पूजन के पश्चात श्रद्धालुओं ने दस लक्षण विधान की,उपरोक्त अवसर पर श्री मनीष कुमार सन्नी कुमार पाटनी परिवार एवं अनमोल अक्ष जैन परिवार को शांति धारा करने का पुण्य अवसर प्राप्त हुआ... उत्तम सत्य धर्म की व्याख्या करते हुए भाई सुरेश मोदी ने बताया की सत्य कहना और ऐसा बोलना जो दूसरों के लिए हितकारी और अहिंसक हो झूठ, छल और कपट से बचना, वाणी का सदुपयोग करना ही उत्तम सत्य है. शास्त्रों के अनुसार जैन धर्म में सत्य केवल सच बोलना नहीं केवल विवेक पूर्ण और हितकारी वाणी रखना ही महत्वपूर्ण है. सत्य वचन से मन में आत्म शांति और आत्मविश्वास बढ़ता है और विचारों में स्पष्टता आती है।

श्री दिगंबर जैन समाज ने मनाया उत्तम संयम धर्म

- सुगंध दशमी पर चंदन की खुशबू से महकेंगे जिनालय, सभी जिनालयों में फहराई गई ध्वजा

ब्यावर (विश्व परिवार)। श्री दिगंबर जैन समाज के दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत उत्तम संयम धर्म का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। जिनालयों में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

जैन समाज के विकल कासलीवाल ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर श्रावकों ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सभी जिनालयों के गुंबदों पर ध्वजा फहराई। सुगंध दशमी के अवसर पर जिनालयों में धूप अर्पित कर धर्म आराधना की जाएगी। चंदन एवं सुगंधित धूप से जिनालय भक्तिमय वातावरण से महक उठेंगे।

संयम ही सच्चे सुख और आत्मकल्याण का मार्ग

उत्तम संयम धर्म मनुष्य को अपनी इंद्रियों, इच्छाओं, विचारों और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की प्रेरणा देता है। संयम जीवन में संतुलन स्थापित करने के साथ ही व्यक्ति को गलत मार्ग पर जाने से रोकता है और आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। असंयम क्षणिक सुख का आभास कराता है, लेकिन अंतत: अशांति और पछतावे का कारण बन सकता है। इच्छाओं के पीछे निरंतर भागने से मनुष्य का मन अशांत रहता है। इसके विपरीत संयम व्यक्ति को बाहरी वस्तुओं पर निर्भर रहने के बजाय अपने भीतर शांति और आनंद खोजने की प्रेरणा देता है। उत्तम संयम केवल शारीरिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मन, वचन और कर्म की शुद्धता भी शामिल है।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 9 के सहयोग से एकात्म मानववाद सिद्धांत के प्रणेता महामानव पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती दिनांक 25 सितम्बर 2026 शुक्रवार को प्रात: 11 बजे राजधानी शहर रायपुर में तेलीबाँधा रिंगरोड तिराहा स्थित उनके प्रतिमा स्थल के समक्ष उनका सादर नमन करने पुष्पांजलि आयोजन रखा गया है।

पुष्पांजलि आयोजन हेतु रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग द्वारा रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 9 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा को तेलीबाँधा रिंगरोड तिराहा स्थित एकात्म मानववाद सिद्धांत के प्रणेता महामानव पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा स्थल, उसके समक्ष और आसपास के क्षेत्र में आवश्यक साफ-सफाई, पुष्प, पुष्पमाला, फूलो की पंखुडिया आदि के साथ-साथ अन्य सामान्य यथोचित व्यवस्थायें प्रशासनिक तौर पर करवाने हेतु निर्देशित किया गया है।

गलतियों को स्वीकार किये बिना कभी सुधर नहीं सकते : मानी दीदी

- दशलक्षण पर्व के छटवें दिन श्रावकों ने संयम को धारण कर मोक्ष मार्ग किया

ललितपुर (विश्व परिवार)। दशलक्षण महापर्व में सिद्ध क्षेत्र पावागिरि सहित कसबे के दोनों जैन मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची हैं। तालबेहट के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पं. संतोष कुमार जैन शास्त्री अमृत एवं वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में बाल ब्रह्मचारिणी मानी दीदी झाँसी के निर्देशन मे अभिषेक-शांतिधारा की क्रियाएँ संपन्न की गयी एवं संयम धर्म को अंगीकार किया। दोपहर में सुगंध दशमी पर्व पर तत्वार्थ सूत्र का स्वाध्याय किया। महिलाओं ने अष्ट कर्मों का क्षय करने के लिए विधि विधान से अग्नि में धूप का विसर्जन किया एवं परस्पर सुहाग सामग्री वितरित की। रात्रि में महाआरती के उपरांत श्रेष्ठी जनों ने आचार्य श्री का चित्र अनावरण कर ज्ञानदीप प्रज्वलित किया। संतोष शास्त्री ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा छटवाँ दिन उत्तम संयम का होता है जो धर्म मार्ग पर चलने का सत्य के बाद दूसरा उपाय है। संयम मनुष्य को विवेकपूर्ण और अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा देता है तथा पंचेन्द्रियों के विषयों के प्रति आसक्ति को कम करता है। बिना संयम के मनुष्य को पशु के समान कहा गया है। संयम मनुष्य को सभी प्राणियों में श्रेष्ठ बनाता है। वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित भक्तामर एवं दशलक्षण महामंडल विधान में पुष्पेंद्र विरधा, महेन्द्र नयाखेड़ा, सुशील मोदी, राकेश सतभैया, नीलेश गरेठा, अरविन्द भंडारी, विकास पवा आदि ने प्रमुख भूमिका निभाई।

संयम की आराधना ही जीवन की श्रेष्ठ साधना : विशद सागर जी

- आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज जीवन आधारित प्रश्नोत्तरी में विजेता प्रतिभागी हुए सम्मानित
- सुगंध दशमी पर जैन मंदिरों में श्रावको ने की धूप विसर्जित

ललितपुर (विश्व परिवार)। संयमी व्यक्ति का जीवन संयत और निर्मल बताते हुए आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि विशद सागर महाराज ने कहा जिनको हम मन से निषिद्ध कर देते हैं और मन पर हावी नहीं होने देते। संयम जीवन की प्रथम सीढ़ी है इसके लिए सतत साधना की जरूरत है। जो वस्तु मन से उत्तर जाती है उसका हमेशा के लिए निषेध तो हो जाता है। लेकिन जब कोई दूसरा व्यक्ति किसी के लिए निषिद्ध के लिए प्रेरित करता है तो उसके प्रति आकर्षण रहता है। मुनि श्री ने संयम को साधना की उत्कृष्ट बताते हुए कहा संयम की आराधना ही जीवन की श्रेष्ठ साधना है जिसके बंधन में बंधा मनुष्य का जीवन परोपकारी और शान्ति के सागर को प्राप्त कर लेता है।

नगर के पार्श्वनाथ दिगरुबर जैन अटामंदिर में पर्यूषण पर्व पर धर्म सभा का शुभारम्भ श्रेष्ठीजनों द्वारा आचार्य श्री के चित्र के सम्मुख दीपप्रज्जवलन एवं मंगलाचरण अंजलि जैन ने किया जवकि तत्वार्थसूत्र का वाचन सिद्धि जैन श्रेयशीजैन सेजल जैन द्वारा किया गया। जिसमें अर्ध समर्पण का पुर्ष्याजन राजेन्द्र कुमार सौरभ जैन मिठ्या द्वारा किया। मध्यान्ह में तत्वार्थ सूत्र को मुनि श्री ने श्रावकों को विस्तार से समझाया।

मध्यान्ह में पार्श्वनाथ जैन नया मंदिर में समोवशरण विधान का पूजन अर्चन श्रावकों द्वारा किया गया जिसमें भक्तिपूर्वक अर्ध समर्पित किए। सुगंध दशमी पर्व पर श्रावक श्राविकाओं ने व्रत उपवास रखा और प्रमुख मंदिर अभिनंदनोदय तीर्थ, जैन अटामंदिर, अदिनाथ बडा मंदिर, पार्श्वनाथ नया मंदिर, आदिनाथ मंदिर गांधीनगर, चन्द्रप्रभु मंदिर डोढाघाट, शान्तिनगर मंदिर, गांधीनगर इलाइट जैन मंदिर, सिविल लाइन, वाहुवलिनगर पार्श्वनाथ कालौनी एम्ब्रोशिया कालौनी में पहुंचकर धूपविसर्जित की इस दौरान वालक-वालिका मण्डल ने धार्मिक झांकियां सुसज्जित की जो आकर्षण का केन्द्र रही।

सायंकाल जैन आरती के उपरान्त पार्श्वनाथ जैन अटामंदिर में समर्पण जनसेवी संस्था द्वारा आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के जीवन आधारित 21 प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारम्भ श्रेष्ठीजनों द्वारा दीपप्रज्जवलित कर किया जिसमें मुख्यअतिथि डॉ. अक्षय टडैया अध्यक्ष जैन समाज एवं अध्यक्षता समर्पण के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जैन द्वारा की गई। प्रतियोगिता का संयोजन एवं संचालन डा0 नीलम सराफ एवं वीणा जैन द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से पूर्व पार्षद राजीव पटवारी, प्रबंधक मनोज जैन बबीना, अजय जैन गंगचारी, अंकित सतमैया, अक्षय अलया, मनोज जैन,पारस मनया, सजल जैन, सुशान्त गोल्डी, दीपक सिंघई अवरिल जैन, नयन जैन, अनीता मोदी आदि मौजूद रहे।

डोल ग्यारस पर्व, अनंत चतुर्दशी एवं पर्युषण पर्व में मटन विक्रय प्रतिबंधित

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर पालिक निगम रायपुर के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में डोल ग्यारस पर्व 22 सितम्बर, अनंत चतुर्दशी 25 सितम्बर, पर्युषण पर्व में संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा 26 सितम्बर 2026 को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश रायपुर नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी किया गया है। डोल ग्यारस पर्व 22 सितम्बर, अनंत चतुर्दशी 25 सितम्बर, पर्युषण पर्व में संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा 26 सितम्बर 2026 को नगर पालिक निगम रायपुर के जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, जोन स्वच्छता निरीक्षकगण मांस-मटन के विक्रय पर प्रतिबंध के आदेश का व्यवहारिक पालन सुनिश्चित करवाएंगे और इस हेतु अपने अपने संबंधित जोन क्षेत्रों में मांस मटन विक्रय की दुकानों का सतत पर्यवेक्षण करेंगे। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर प्रतिबंध आदेश का व्यवहारिक पालन करवाने होटलों में उक्त पावन पर्व दिवस डोल ग्यारस पर्व 22 सितम्बर, अनंत चतुर्दशी 25 सितम्बर, पर्युषण पर्व में संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा 26 सितम्बर 2026 पर मांस-मटन विक्रय करते पाए जाने पर संबंधित स्थल पर तत्काल उसकी जप्ती करते हुए संबंधित व्यक्ति, संस्था के विरूद्ध यथोचित कार्रवाई की जाएगी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, मंगलवार 22 सितंबर 2026

संक्षिप्त समाचार

शराब दुकान के सामने युवक की हत्या के बाद फूटा आक्रोश, दुकान हटाने की मांग पर सड़क पर उतरे लोग

जगदलपुर। नया बस स्टैंड क्षेत्र में शराब दुकान के पास 27 वर्षीय युवक की चाकूबाजी में हुई मौत के बाद सोमवार को स्थानीय लोगों का आक्रोश सामने आया। बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय लोग शराब दुकान के सामने पहुंच गए और अंग्रेजी शराब दुकान को नया बस स्टैंड रोड से हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने सड़क पर रास्ता जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि शराब दुकान के आसपास आए दिन विवाद और आपराधिक घटनाओं की स्थिति बनती है, जिससे क्षेत्र के लोगों में असुरक्षा का माहौल है।

हत्या के बाद बढ़ा आक्रोश- रविवार रात नया बस स्टैंड स्थित शराब दुकान के पास विवाद के बाद 27 वर्षीय युवक की चाकू लगने से मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया है। घटना के बाद से ही क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शराब दुकान के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए और दुकान को आबादी तथा व्यस्त सड़क से हटाया जाए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

मौके पर पुलिस बल तैनात- प्रदर्शन की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। फिलहाल प्रदर्शन जारी है और पुलिस प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रही है। स्थानीय लोगों की मांग है कि क्षेत्र में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शराब दुकान के संचालन और आसपास की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जाए। वहीं, प्रशासन और पुलिस की ओर से प्रदर्शनकारियों की मांग पर क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर सभी की नजर है।

नया बस स्टैंड में खूनी वारदात: त्योहार के बीच सरेआम युवक की हत्या, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

जगदलपुर। त्योहार के माहौल के बीच शहर के नया बस स्टैंड इलाके में चाकूबाजी के बाद युवक की हत्या की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मृतक की पहचान शांतिनगर निवासी कैलाश गुप्ता उर्फ मोनू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कैलाश गैरेज में मैकेनिक का काम करता था। स्थानीय रहवासियों के मुताबिक, वारदात से पहले कैलाश के साथ जमकर मारपीट की गई। लोगों का दावा है कि उसे पीटते हुए शराब दुकान के पास ले जाया गया, जहां बाद में चाकू से हमला कर दिया गया। गंभीर चोटों के चलते कैलाश की मौत हो गई। घटना ऐसे समय हुई है, जब त्योहारों के चलते शहर के बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ी हुई है। नया बस स्टैंड भी शहर का व्यस्त इलाका है। ऐसे में सरेआम मारपीट के बाद चाकूबाजी और हत्या की घटना ने पुलिस गश्त, निगरानी और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हत्या के पीछे की वजह और वारदात में शामिल लोगों को लेकर पुलिस जांच कर रही है। स्थानीय लोगों द्वारा बताए जा रहे घटनाक्रम और आरोपों की पुलिस स्तर पर पुष्टि होना अभी बाकी है।

कमीशन के बोझ तले दबा विकास

विकास के लिए आई राशि पर 'कमीशन' का ग्रहण!, सड़क,पुल, स्कूल और पंचायतों के कामों पर उठ रहे सवाल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। एक समय राजनीति को समाजसेवा का माध्यम माना जाता था।जनप्रतिनिधियों से उम्मीद रहती थी कि वे क्षेत्र की समस्याओं को शासन तक पहुंचाकर विकास की राह आसान करेंगे। लेकिन बदलते राजनीतिक परिवेश में अब जनप्रतिनिधियों की भूमिका और विकास कार्यों की व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठने लगे हैं।आरोप लगते रहे हैं कि विकास कार्यों के लिए शासन से नीचे तक पहुंचने वाली राशि का एक हिस्सा कथित कमीशनखोरी की भेंट चढ़ जाता है।इसका सीधा असर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और जनता को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ने की बात सामने आती है।

केंद्र और राज्य सरकारों के माध्यम से गांवों और शहरों में सड़क,पुल-पुलिया,स्कूल भवन,आहता, नाली,सामुदायिक भवन सहित अनेक विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपये की राशि स्वीकृत होती है। कागजों में ये राशि विकास की तस्वीर बदलने के लिए होती है,लेकिन यदि स्वीकृत राशि का बड़ा हिस्सा कथित कमीशन,ठेकेदारी और बिचौलिया तंत्र में चला जाए तो जमीन पर होने वाला निर्माण अपने उद्देश्य से भटक जाता है।

राशि पूरी,काम अधूरा या गुणवत्ता पर सवाल,,,,,, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विभागीय अधिकारियों,इंजीनियरों और तकनीकी अमले की जिम्मेदारी तय होती है।इसके बावजूद यदि किसी कार्य में अनियमितता या गुणवत्ता में कमी सामने आती है तो सवाल उठता है कि निरीक्षण और मूल्यांकन की व्यवस्था कितनी प्रभावी है।

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी आम है कि निर्माण कार्यों में कई स्तर पर कथित हिस्सेदारी तय होने के कारण ठेकेदार के पास वास्तविक निर्माण पर खर्च करने के लिए अपेक्षित राशि नहीं बचती। परिणामस्वरूप घटिया सामग्री,कम मोटाई,मानकों में कटौती या अधूरे काम जैसी शिकायतें सामने आती हैं।हालांकि प्रत्येक मामले में आरोपों की स्वतंत्र जांच जरूरी है।

पंचायती राज में भी 'कमीशन संस्कृति' का आरोप,,,,पंचायती राज व्यवस्था का उद्देश्य सत्ता और विकास को गांव की चौखट तक पहुंचाना है। ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए राशि मिलती है और पंचायत स्तर पर कामों की प्राथमिकता तय की जाती है।लेकिन पंचायतों में भी कथित राजनीतिक हस्तक्षेप और कमीशन के दबाव की शिकायतें समय-समय पर उठती रही हैं।

आरोप यह भी लगाए जाते हैं कि कुछ प्रभावशाली जनप्रतिनिधि पंचायतों में स्वीकृत कार्यों को लेकर अपनी पसंद के ठेकेदार या अपने करीबी लोगों को काम दिलाने का दबाव बनाते हैं। कहीं पंचायत को काम कराने की जिम्मेदारी दी जाती है तो कहीं कथित तौर पर पहले से ही कमीशन तय होने की बात सामने आती है।ऐसे आरोप यदि सही हैं तो यह पंचायती राज की मूल भावना के विपरीत है।

'मेरा आदमी काम करेगा' की कथित व्यवस्था पर सवाल,,,,,,,ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे गंभीर आरोप उस व्यवस्था को लेकर हैं,जिसमें कथित तौर पर किसी जनप्रतिनिधि द्वारा स्वीकृत कार्य पर यह दबाव बनाया जाता है कि काम उसके करीबी व्यक्ति या पसंदीदा ठेकेदार से ही कराया जाए।इसके साथ ही पंचायत या संबंधित एजेंसी से कमीशन की मांग किए जाने की शिकायतें भी सामने आती हैं। इस तरह की व्यवस्था वास्तव में मौजूद है या नहीं, इसकी जांच संबंधित विभागों और प्रशासन को करनी चाहिए।क्योंकि यदि विकास राशि के आवंटन से लेकर कार्य कराने तक किसी बाहरी प्रभाव की भूमिका तय हो जाए,तो फिर तकनीकी गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

जनप्रतिनिधियों के 'खास लोगों' की भूमिका भी जांच के दायरे में,,,,,,,,कई स्थानों पर यह आरोप भी सुनने को मिलता है कि कुछ जनप्रतिनिधियों के आसपास कुछ खास लोग सक्रिय रहते हैं,जो विकास कार्यों से जुड़े ठेके,मटेरियल सप्लाई और निर्माण संबंधी गतिविधियों में भूमिका निभाते हैं। ऐसे लोगों पर यह आरोप लगाया जाता है कि वे अपने प्रभावशाली राजनीतिक संपर्कों के सहारे आर्थिक लाभ हासिल करते हैं।

यदि किसी जनप्रतिनिधि के करीबी व्यक्ति लगातार सरकारी विकास कार्यों में लाभ उठा रहे हैं तो उनकी भूमिका,हितों के टकराव और कार्यों की प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच होना जरूरी है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि काम नियमों के अनुसार हुआ है या किसी प्रभाव के कारण।

जब 'राशि लाने' का श्रेय ही वसूली का आधार बन जाए,,,,,,,विकास कार्यों को लेकर कई बार यह राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ दिखाई देती है कि फलां कार्य अमुक जनप्रतिनिधि के प्रयास से स्वीकृत हुआ।लेकिन यदि इसी श्रेय को कथित कमीशन वसूली का आधार बना लिया जाए तो सवाल गंभीर हो जाता है कि विकास जनता के लिए है या राजनीतिक प्रभाव के प्रदर्शन का माध्यम?

सरकार द्वारा स्वीकृत राशि जनता के टैक्स और सार्वजनिक संसाधनों से आती है,इसलिए उसका उपयोग भी पूरी पारदर्शिता और निर्धारित मापदंडों के अनुसार होना चाहिए।

सबसे बड़ा सवाल—गुणवत्ता की निगरानी कौन करे?,,,,,,,जब किसी कार्य में राशि स्वीकृत कराने वाले प्रभावशाली लोग,काम कराने वाले ठेकेदार और निगरानी करने वाला विभागीय अमला एक-दूसरे के प्रभाव में होने की शिकायतें सामने आएं,तब सबसे बड़ा सवाल गुणवत्ता को लेकर खड़ा होता है।

कार्य कि गुणवत्ता कुछ समय में हो बर्बाद,,,,,,,, पुल-पुलिया में दरारें आने लगें,डामर सड़क का पर्त उखड़ने लगे,स्कूल भवन की हालत खराब हो जाए या नाली पहली बारिश में जवाब दे दे,तो नुकसान आखिर जनता का ही होता है।सरकारी रिकॉर्ड में काम पूरा दिख सकता है,भुगतान भी हो सकता है,लेकिन जनता को टिकाऊ विकास नहीं मिलता।

जवाबदेही तय हो तो ही बदलेगी तस्वीर,,,,,,,, जरूरत इस बात की है कि प्रत्येक बड़े विकास कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच,स्वीकृत राशि और वास्तविक खर्च का सार्वजनिक विवरण,गुणवत्ता परीक्षण तथा कार्य पूर्ण होने के बाद भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया जाए।पंचायत स्तर पर भी निर्माण कार्यों की जानकारी सार्वजनिक की जाए और शिकायत मिलने पर निष्पक्ष जांच हो।

विकास के लिए आने वाली राशि किसी जनप्रतिनिधि,अधिकारी,कर्मचारी या ठेकेदार की निजी कमाई नहीं,बल्कि जनता का पैसा है। यदि कहीं कमीशनखोरी या भ्रष्टाचार के आरोप हैं तो आरोपों की जांच कर दोष सिद्ध होने पर जिम्मेदारी तय करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।आखिर सवाल सिर्फ एक सड़क,पुल या भवन का नहीं, बल्कि उस भरोसे का है जिसके नाम पर जनता से विकास का वादा किया जाता है।

ऋतिक की वापसी से कांग्रेस को मिली युवा ताकत

छह अन्य कार्यकर्ताओं ने भी थामा पार्टी का हाथ, संगठन में बढ़ा उत्साह; युवा नेतृत्व को मिलेगी नई धार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। नगरपालिका चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी राजनीतिक गतिविधियों के आरोप में कांग्रेस से निष्कासित किए गए युवा नेता ऋतिक सिन्हा की करीब डेढ़ वर्ष बाद कांग्रेस में वापसी हो गई है। रविवार को प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के निर्देश पर उनकी पार्टी में वापसी का रास्ता साफहुआ। उनके साथ जिले के छह अन्य कांग्रेस सदस्यों की भी पार्टी में वापसी हुई है। एक साथ कई कार्यकर्ताओं की घर वापसी से जिला कांग्रेस संगठन में उत्साह का माहौल है।

नगरपालिका चुनाव के दौरान राजनीतिक गतिविधियों के चलते ऋतिक सिन्हा को कांग्रेस से निष्कासित किया गया था। हालांकि, पार्टी से बाहर रहने के बावजूद उनका कांग्रेस की विचारधारा और संगठन से जुड़ाव बना रहा। इस दौरान वे लगातार सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे तथा अपने स्तर पर संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करते रहे। पार्टी नेतृत्व ने उनकी सक्रियता और संगठन के प्रति निरंतर जुड़ाव को देखते हुए उन्हें दोबारा कांग्रेस में शामिल किया है। वापसी के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया।

ऋतिक सिन्हा के साथ जिले के छह अन्य कांग्रेस सदस्यों की भी पार्टी में वापसी हुई है। कांग्रेस संगठन के लिए इसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। लंबे समय से पार्टी से अलग चल रहे कार्यकर्ताओं के वापस आने से संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ऋतिक सिन्हा की वापसी को कांग्रेस के युवा संगठन के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर युवाओं के बीच उनकी सक्रियता और राजनीतिक पकड़ को देखते हुए पार्टी को आने वाले समय में इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। उनकी वापसी से युवा कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखा जा रहा है।

कांग्रेस में वापसी के साथ अब पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का मानना है कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती में सक्रिय और जमीनी कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम होती है।

ऋतिक सिन्हा समेत छह सदस्यों की वापसी से कांग्रेस के जमीनी संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। आने वाले समय में पार्टी की गतिविधियों को गति देने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में यह वापसी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

आयुष्मान भारत बना संबल : बस्तर के नितेश कश्यप को मिला नया जीवन

लिवर कैंसर को दी मात

जगदलपुर/विश्व परिवार। बस्तर जिले के तोकापाल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम करंजी निवासी 27 वर्षीय नितेश कश्यप के लिए शासन की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जीवनदायिनी साबित हुई है। लंबे समय से पेट दर्द की असहनीय पीड़ा झेल रहे नितेश जब अपने गांव के आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचे, तो वहां प्राथमिक उपचार और दवाएं दी गईं। हालांकि, दवाइयों से राहत न मिलने पर जब वे दोबारा पहुंचे, तो केंद्र में पदस्थ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर प्रीति बघेल ने मामले की गंभीरता को समझा और त्वरित निर्णय लेते हुए उन्हें तुरंत महारानी जिला अस्पताल जगदलपुर के लिए रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा खून की जांच, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी विस्तृत एवं आधुनिक जांचें कराई गईं, जिनमें नितेश के लिवर कैंसर से ग्रसित होने की पुष्टि हुई। इस गंभीर बीमारी की खबर से सहमे परिवार को डॉक्टरों ने ढांढस बंधाया और आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उपलब्ध निःशुल्क उपचार का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद योजना के तहत मिले 5 लाख रुपये तक के कैशलेस सुरक्षा कवच के माध्यम से बिना किसी आर्थिक बाधा के उनका जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया।

सफल उपचार के बाद पूर्णतः स्वस्थ हो चुके नितेश ने भावुक होते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना ने उन्हें वास्तव में एक नई जिंदगी दी है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे इस जनहितैषी योजना का लाभ जरूर उठाएं। साथ ही उन्होंने त्वरित परामर्श देने वाले स्वास्थ्य कर्मियों, उपचार करने वाले चिकित्सकों और सरकार के प्रति अपना गहरा आभार व्यक्त किया। सही समय पर स्वास्थ्य अमले के मार्गदर्शन और योजना के वित्तीय संबल ने एक बार फिर यह साबित किया है कि आयुष्मान भारत आम नागरिक के लिए एक सशक्त सुरक्षा ढाल बन चुका है।

मोबाइल खरीदने के बहाने 7 दुकान में घुसा चोर, शो-केस से आईफोन लेकर फरार

चेहरे पर स्कार्फ बांधकर पहुंचा था आरोपी, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात

जगदलपुर। संजय मार्केट स्थित एक मोबाइल शॉप में रविवार को चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया। मोबाइल खरीदने के बहाने दुकान में दाखिल हुए एक शातिर चोर ने दुकानदार का ध्यान भटकाकर शो-केस में रखा महंगा आईफोन पार कर दिया और भीड़भाड़ का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गया। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. है। जानकारी के अनुसार, रविवार को एक युवक चेहरे पर स्कार्फ बांधकर मोबाइल दुकान में पहुंचा। उसने दुकान संचालक से मोबाइल दिखाने के लिए कहा। संचालक ग्राहक समझकर उसे अलग-अलग मोबाइल दिखाने लगा। इसी दौरान युवक ने मौका देखकर शो-केस में रखा कीमती आईफोन उठा लिया और दुकान से बाहर निकल गया। कुछ देर बाद जब संचालक को मोबाइल गायब होने का पता चला तो उसने आसपास तलाश की, लेकिन तब तक आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर वहां से फरार हो चुका था। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच करने पर आरोपी की पूरी गतिविधि सामने आई। फुटेज में स्कार्फ से चेहरा ढके युवक को दुकान में दाखिल होते और मौका मिलते ही शो-केस से आईफोन उठाकर ले जाते हुए देखा गया है। घटना के बाद दुकान संचालक ने कोतवाली थाना पहुंचकर चोरी की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर आरोपी की तलाश में पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

आहता गिरने की खबर के बाद हरकत में नगरपालिका, ठेकेदार पर गिर सकती है जिम्मेदारी की गाज

सीएमओ ने कहा—नाली ठेकेदार ही बनवाएगा क्षतिग्रस्त आहता, निर्माण में देरी पर जारी होगा नोटिस;

गरियाबंद (विश्व परिवार)। वार्ड क्रमांक 7 रावणभाटा में नाली निर्माण के लिए लंबे समय से खोदे गए गड्ढे के कारण घर का आहता भरभराकर गिरने की खबर सामने आने के बाद अब नगरपालिका प्रशासन हरकत में आया है।मामले को लेकर नगरपालिका के सीएमओ ने स्पष्ट किया है कि आहता टूटने की जिम्मेदारी नाली निर्माण कर रहे ठेकेदार की है और ठेकेदार द्वारा ही क्षतिग्रस्त आहते का पुनर्निर्माण कराया जाएगा।साथ ही नाली निर्माण में हो रही देरी को लेकर संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने की बात भी कही गई है।

गौरतलब है कि गत रविवार सुबह नाली के समीप स्थित प्रवीण बघेल के घर का आहता अचानक भरभराकर गिर गया था।लगातार बारिश के बीच नाली निर्माण के लिए की गई खुदाई के चलते मिट्टी गीली होने और कमजोर होने की स्थिति को हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है। घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन मकान मालिक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। आहता गिरने के बाद उसका मलबा सड़क पर फैल गया, जिससे आवागमन भी प्रभावित हुआ।

खबर के बाद सामने आया जिम्मेदारी का सवाल,,,,,,,,, मामला सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही था कि आखिर निर्माण के लिए गड्ढे खोदने के बाद लंबे समय तक काम अधूरा क्यों छोड़ा गया और यदि खुदाई के कारण किसी मकान या आहते को नुकसान पहुंचता है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। अब नगरपालिका सीएमओ के बयान के बाद कम से कम आहते के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी ठेकेदार पर तय होती दिखाई दे रही है।हालांकि,सवाल सिर्फ आहता बनवाने तक सीमित नहीं है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नाली निर्माण समय पर पूरा हो जाता तो शायद ऐसी स्थिति पैदा ही नहीं होती।बारिश के दौरान खुली खुदाई,गड्ढों में जमा पानी और कमजोर होती मिट्टी आसपास रहने वाले लोगों के लिए लगातार खतरा बनी हुई है।

नोटिस के बाद क्या होगा?,,, नगरपालिका सीएमओ ने नाली निर्माण में देरी को लेकर ठेकेदार को नोटिस जारी करने की बात कही है। अब देखना यह होगा कि नोटिस के बाद निर्माण कार्य की रफ्तार बढ़ती है या मामला एक बार फिर कागजी कार्रवाई तक सीमित रह जाता है।

स्थानीय रहवासियों की मांग है कि नगरपालिका केवल नोटिस जारी करने तक सीमित न रहे, बल्कि निर्माण स्थल का तत्काल निरीक्षण कराकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करवाए। जहां सड़क पर मलबा पड़ा है, वहां तत्काल सफाई कराकर आवागमन बहाल किया जाए और खुले गड्ढों के आसपास बैरिकेडिंग कराई जाए।

विकास कार्य पर सवाल नहीं, कार्यप्रणाली पर सवाल,,,,, नगरवासियों का कहना है कि नाली निर्माण शहर के लिए जरूरी विकास कार्य है और किसी को भी विकास कार्य से आपत्ति नहीं है। आपत्ति इस बात को लेकर है कि निर्माण कार्य शुरू करने के बाद उसे लंबे समय तक अधूरा छोड़ दिया जाए और उसकी कीमत आम लोगों को अपनी सुरक्षा और संपत्ति के नुकसान के रूप में चुकानी पड़े।

अब नगरपालिका प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती है—एक तरफ क्षतिग्रस्त आहते का पुनर्निर्माण करवाना और दूसरी तरफ अधूरे नाली निर्माण को जल्द पूरा कराना। सीएमओ के बयान के बाद जिम्मेदारी तो तय होती दिखाई दे रही है, लेकिन असल परीक्षा अब कार्रवाई जमीन पर कब दिखाई देती है, इस बात की है।

यदि नगरपालिका के निर्देश के बाद ठेकेदार जल्द आहते का निर्माण शुरू कराता है और नाली का काम भी गति पकड़ता है, तो यह प्रभावित परिवार के लिए राहत की बात होगी। लेकिन यदि नोटिस के बाद भी काम की रफ्तार नहीं बढ़ी तो यह सवाल फिर उठेगा कि आखिर शहर के विकास कार्यों में जवाबदेही केवल कागजों तक ही क्यों सीमित रह जाती है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कबड्डी प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

- खेल से स्वास्थ्य, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास : उप मुख्यमंत्री अरुण साव
- विद्या भारती विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कर रही कार्य : डिप्टी सीएम अरुण साव

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज चांपा के सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को आगामी अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में चार प्रांतों से आए कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के 300 से अधिक भैया-बहनों ने अलग-अलग वर्गों में खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन के साथ खेल भावना और टीमवर्क का परिचय दिया।

श्री साव ने कहा कि विद्या भारती विद्यार्थियों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। यहां शिक्षा प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं। संगठन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि, खेल का मैदान हमें सम्मान और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ने का अवसर देता है। खेल के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ी देश-दुनिया में पहचान बना रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल से अच्छे स्वास्थ्य के साथ जीवन में अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास होता है। यह हर परिस्थिति का सामना करने और संघर्ष करने की क्षमता बढ़ाता है। प्रतिदिन खेल के मैदान में समय बिताने से शरीर में ताजगी और मन में प्रसन्नता बनी रहती है। उन्होंने विद्यार्थियों से खेल के लिए नियमित समय निकालने और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करते रहने का आह्वान किया। श्री साव ने कहा कि सफल बनने के लिए अपने क्षेत्र में मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। जीवन में प्रयत्न करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

श्री साव ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। भारत को खेल के क्षेत्र में भी दुनिया के पांच अग्रणी देशों में शामिल करने का लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार इसी संकल्प के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भी वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण सहभागी बनेगा।

इस अवसर पर विद्या भारती मध्य क्षेत्र क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जुड़ावन सिंह ठाकुर जी, भारतीय कुष्ठ निवारक संघ सचिव सुधीर देव जी, सांसद कमलेश जांगड़े जी, विद्या भारती प्रांत प्रमुख दीपक सोनी जी, प्रांतीय खेलकूद संयोजक डॉ शांतिकुमार सोनी जी, प्राचार्य अश्वनी कुमार कश्यप जी, भाजपा जिला अध्यक्ष अंबेश जांगड़े जी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव जी, पूर्व सांसद कमला देवी पाटले जी, जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यलता मिरी जी, हनुमान कुमार देवांगन जी, नंद किशोर श्रीवास्तव जी, रजनी सत्तु साहू जी, दिवाकर स्वर्णकार जी, प्रशांत सिंह ठाकुर जी, तारकेश्वर स्वर्णकार जी, अनंत जी, चन्द्रकिशोर श्रीवास्तव जी, कमल देवांगन जी, गोपीचंद बरेठ जी, रवींद्र जी, मनहरण राठौर जी, दीपक सोनी जी, रेखा जी, नंदकुमार देवांगन जी, अन्य जनप्रतिनिधि, आचार्य एवं भैया बहनी उपस्थित रहे।

टाटा पावर को बिजली वितरण लाइसेंस देने के षड्यंत्र के खिलाफ विकास उपाध्याय ने लगाई याचिका

- भाजपा सरकार का जनविरोधी चेहरा उजागर
- टाटा पावर के बहाने छत्तीसगढ़ की जनता और बिजली व्यवस्था को पूंजीपतियों के हाथ बेचने का षड्यंत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने रायपुर जिले (रायपुर धरसीवा मंदिर हसौद और अभनपुर) में टाटा पावर को समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस देने के षड्यंत्र के खिलाफ न्यायालय में याचिका लगाई है और भाजपा सरकार की जनविरोधी बिजली नीतियों पर करारा प्रहार किया है। उपाध्याय ने बताया कि आज छत्तीसगढ़ का अस्तित्व यहाँ के गरीबों, किसानों, मध्यम वर्ग और हमारे स्थानीय उद्योगपतियों का हक खतरे में है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार इस राज्य के प्राकृतिक संसाधनों और सार्वजनिक संपत्तियों को अपने उद्योगपति मित्रों के हाथों नीलाम करने के लिये आतुर है। विकास उपाध्याय ने कहा कि हाल ही में टाटा पावर कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में याचिका (पीटीशन नं. 89 ऑफ 2026) लगाकर रायपुर, धरसीवा, मंदिर हसौद और अभनपुर तहसील क्षेत्र में 25 वर्षों के लिए समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस (पैरालेल डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंस) माँगा गया है। मैं इस जनविरोधी, गरीब-विरोधी और छत्तीसगढ़-विरोधी प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करता हूँ।

उपाध्याय ने कहा कि आज भाजपा की करतूत जनता के समक्ष रखकर मैं भाजपा की राज्य और केंद्र सरकार से कुछ तीखे सवाल पूछना चाहता हूँ:-

टाटा को वितरण लाइसेंस मानदंड अवहेलना में सरकार की सांठगांठ:- टाटा ने अपनी लाइसेंस एप्लीकेशन में आगामी 5 वर्ष में चाहे गये क्षेत्र में सीएसपीडीसीएल के बराबरी का नेटवर्क स्थापित करने हेतु चरणबद्ध तरीके से केवल 435 करोड़ राशि लगाने की जानकारी दी है। इतनी कम राशि में संपूर्ण क्षेत्र में बिजली वितरण व्यवस्था हेतु नए 33 एवं 11 केवी सबस्टेशन तथा लाइन बनाना असंभव है। अंततः टाटा पॉवर सीएसपीडीसीएल के ग्रिड के लघुकलिक उपयोग / पिगी बैंकिंग हेतु मांग करेगा और अंधभक्त सरकार इसमें टाटा का पूर्ण सहयोग करेगी।

कानून व्यवस्था बनाए रखने में भाजपा सरकार नाकाम : सुशील मौर्य

- डबल इंजन-ट्रिपल इंजन सरकार के दावों के बीच दो दिनों में हुई दो मौतें

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य ने जगदलपुर में लगातार दो दिनों में हुई दो दर्दनाक घटनाओं को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन और ट्रिपल इंजन सरकार के दावे करते-करते भाजपा सरकार के ढाई साल पूरे हो गए, लेकिन आम जनता आज भी सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और बुनियादी प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सवाल पूछ रही है।सुशील मौर्य ने कहा कि नया बस स्टैंड के पास शराब दुकान के समीप विवाद के बाद चाकूबाजी में एक युवक की मौत हो गई।सार्वजनिक स्थान के पास हुई इस घटना ने शहर की कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में अपराधी चाकू लेकर घूम रहे हैं और विवाद हत्या तक पहुंच रहे हैं, तो पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था आखिर कहां है?अपराध होने के बाद कार्रवाई करना जरूरी है, लेकिन सरकार और पुलिस की पहली जिम्मेदारी अपराध को होने से रोकना है। यदि अपराधियों में कानून का भय नहीं है और आम नागरिक सार्वजनिक स्थानों पर भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है, तो सरकार को अपनी कानून-व्यवस्था की व्यवस्था पर गंभीरता से जवाब देना चाहिए। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि कहीं कार में लोगों को जिंदा जलाने जैसी घटनाओं की खबर सामने आती है, कहीं चाकूबाजी में युवाओं की जान चली जाती है और कहीं अपराधी खुलेआम वारदात को अंजाम देते हैं।

छत्तीसगढ़ में रेड क्रॉस की सेवाओं को मिलेगा राष्ट्रीय स्तर का सहयोग

- राज्य में स्वास्थ्य, रक्तदान, प्राथमिक उपचार एवं मानवीय सेवाओं के विस्तार के लिए राष्ट्रीय मुख्यालय के समक्ष रखा गया व्यापक प्रस्ताव

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की स्वास्थ्य एवं मानवीय सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा के चेयरमैन श्री तोमन साहू ने नई दिल्ली स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के राष्ट्रीय मुख्यालय में महासचिव (राष्ट्रीय प्रभारी) श्री ललित वाधवा से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में रेड क्रॉस की सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर राष्ट्रीय मुख्यालय की संयुक्त सचिव डॉ. वंशश्री सिंह एवं श्री कौस्तुभ दिनकर कुकड़े से भी मुलाकात कर छत्तीसगढ़ राज्य शाखा की सेवा गतिविधियों, आवश्यकताओं एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

व्यापक सेवा-सुदृढ़ीकरण प्रस्ताव

बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य शाखा की ओर से राज्य की स्वास्थ्य एवं मानवीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक सेवा-विस्तार एवं संस्थागत सुदृढ़ीकरण प्रस्ताव राष्ट्रीय मुख्यालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रस्ताव का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के ग्रामीण, आदिवासी, दूरस्थ एवं जरूरतमंद क्षेत्रों तक रेड क्रॉस की सेवाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है।

प्रस्ताव में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एम्बुलेंस सुविधा, चलित रक्तदान सेवाओं का विस्तार, प्राथमिक उपचार एवं प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता प्रशिक्षण, रक्त सेवाओं एवं रक्त भंडारण व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, आवश्यक स्वास्थ्य उपकरण, आपदा एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता तथा मानवीय राहत सेवाओं को मजबूत करने के संबंध में सहयोग का अनुरोध किया गया।

इसके साथ ही सुरगुजा एवं बस्तर जैसे आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता, सिकल सेल एवं थैलेसीमिया से संबंधित जनजागरूकता एवं सहायता, स्वैच्छिक रक्तदाता नेटवर्क को मजबूत करने तथा जरूरतमंद मरीजों तक सहायता पहुंचाने के लिए विशेष पहल पर भी चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनान्तर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनान्तर्गत शासन के निर्देशों के अनुपालन एवं निगम आयुक्त सुरुचि सिंह के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 21.09.2026 को प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से नगर निगम सभागार कक्ष में स्ट्रीट वेंडर्स हेतु स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स को अपने व्यवसाय स्थल एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना था।

इस अवसर पर स्ट्रीट वेंडर्स को खाद्य एवं व्यवसाय स्थल की नियमित साफ-सफाई, कचरे का उचित निपटान, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने तथा स्वच्छ एवं व्यवस्थित तरीके से व्यवसाय संचालित करने के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही स्वच्छता को अपनी दैनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाने हेतु

प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के नोडल अधिकारी श्री अनिल कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स उपस्थित रहे।

नगर निगम द्वारा स्ट्रीट वेंडर्स से अपील की गई कि वे स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन करते हुए अपने व्यवसाय स्थल को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखें तथा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

नगर निगम गणेश पर्व प्रतियोगिता, गत वर्ष के पुरूस्कार वितरण हेतु समारोह आयोजित

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित गणेश पर्व प्रतियोगिता में चयनित समितियों को पुरूस्कार वितरण करने नगर निगम टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम सहित पार्षदों व नामांकित पार्षदों की उपस्थिति में समितियो को पुरूस्कार का चेक वितरण किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर निगम हर वर्ष गणेश पर्व में प्रतियोगिता आयोजित कर गणेश प्रतिमा तथा विसर्जन झाकी में चयनित समितियो को पुरूस्कृत करती है। उन्होंने कहा कि संस्कारधानी राजनांदगांव हॉकी और झाकी के लिए प्रसिद्ध है।

जिसकी प्रसिद्धि आज भी कायम है, जिसका उदाहरण कि तमाम विपरित परिस्थितियो में भी इसकी गरिमा और व्यापकता में कोई कमी नही आई है। महापौर श्री यादव ने कहा कि इस वर्ष से पुरूस्कार राशि में वृद्धि की जा रही है। जिसके आधार पर अब गणेश प्रतिमा में तीन गुना से अधिक की बढोतरी की जायेगी। उसी प्रकार विसर्जन झाकी के दोनो वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय की राशि में लगभग 10 हजार रूपये की वृद्धि की जायेगी।

रायपुर में आरक्षण बचाओ रैली, 19 मांगों को लेकर सरकार को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। राजधानी रायपुर में आज एससी, एसटी एवं ओबीसी समुदाय के लोगों द्वारा आरक्षण बचाओ रैली का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज के लोग रैली में शामिल हुए और आरक्षण एवं सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी मांगें सरकार के समक्ष रखीं। रैली के दौरान प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किया गया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कुल 19 मांगों को शामिल किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। रैली में शामिल प्रतिनिधियों ने कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग से जुड़े अधिकारों एवं आरक्षण संबंधी विषयों को लेकर लंबे समय से मांगें उठाई जा रही हैं।

अधिकारों और योजनाओं की जानकारी से सशक्त बन रही छत्तीसगढ़ की महिलाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। सेवा केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाने तक सीमित नहीं, बल्कि लोगों को उनके अधिकारों, अवसरों और उपलब्ध सहायता तंत्र की जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाने का संकल्प भी है। इसी उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिलाओं को जागरूक कर उन्हें शासकीय योजनाओं, सुरक्षा प्रावधानों, वित्तीय साक्षरता और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिलों में विकासखंड स्तर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम इसी सेवा की कहानी को आगे बढ़ा रहे हैं।

इसी क्रम में सूरजपुर जिले के प्रेमनगर एवं रामानुजनगर विकासखंड में महिला सशक्तिकरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रेमनगर के ग्राम पंचायत अन्नपूर्णा तथा रामानुजनगर के ग्राम पंचायत गणेशपुर के ग्राम घुमाडांड में आयोजित कार्यक्रमों में महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में उपलब्ध रोजगार, स्वरोजगार एवं कृषि आधारित अवसरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संरक्षण अधिकारी इंदिरा कुमारी तिवारी, जेंडर विशेषज्ञ सलोमी कुजूर एवं वित्तीय साक्षरता समन्वयक विशेषज्ञ फरजाना ने महिलाओं को बचत, सावधि जमा एवं म्यूचुअल फंड सहित विभिन्न वित्तीय विकल्पों के बारे में जानकारी दी।

दास जी साहू को मिला बड़ी जिम्मेदारी

- नरेंद्र मोदी विचार मंच छत्तीसगढ़ के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अमरनाथ सोनी ने , नरेंद्र मोदी विचार मंच के संस्थापक रवि चाणक्य के सहमति से छत्तीसगढ़ में नरेंद्र मोदी विचार मंच के जिम्मेदारी दास जी साहू को देते हुये उन्हें कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

दास जी साहू पुर्व में नरेंद्र मोदी विचार मंच के शाखा राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण फोरम में प्रदेश महासचिव के दायित्व को बखूबी निभा चुके है। उसके कार्य को देखते हुये उन्हें मुख्य शाखा नरेंद्र मोदी विचार मंच में प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया था , उनके संगठन के प्रति लगन एवं निष्ठा को देखते हुये अब दास जी साहू को

छत्तीसगढ़ के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

उसके नियुक्ति पर डॉ राकेश दास मिश्रा, डॉ निरज पांडे, घनश्याम अग्रवाल, प्रिया सिंह ठाकुर, मोहन साहू, शिव वर्मा, गोपी साहू, अंजली आलोक दुबे, सुषमा पटनायक, प्रीतिश शर्मा, मुकेश बुरड़, रंजीत गौतम, प्रवीण प्रचंडे, सिद्धि नाथ देवांगन, दुर्गेश देवांगन, रघुनंदन साहू, पुनम देवांगन, अनीता वर्मा, हेमिन साहू, किशोर साहू, मिनेश नायक, सहित प्रदेश भर से सैकड़ो लोगों ने बधाई दी है।

परचून परिवहन की समस्याओं को लेकर परिवहन मंत्री केदार कश्यप से मिला बस्तर परिवहन संघ

जगदलपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के परिवहन मंत्री केदार कश्यप से जगदलपुर स्थित सर्किट हाउस में बस्तर परिवहन संघ (BPS) के अध्यक्ष प्रदीप पाठक सहित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान रायपुर से जगदलपुर परचून परिवहन में उत्पन्न हो रहे मतभेदों और परिवहन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

संघ अध्यक्ष प्रदीप पाठक ने मंत्री को बताया कि रायपुर के कुछ परचून ट्रांसपोर्टरों एवं गैरेज संचालकों द्वारा बस्तर के छोटे वाहन मालिकों पर अधिक भार लादने, अतिरिक्त शुल्क लेने तथा अनलोडिंग के नाम पर भुगतान में कटौती किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि वाहन की क्षमता से अधिक माल परिवहन के बावजूद निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही भाड़ा दिए जाने से वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

संघ ने बाजार में भाड़ा बढ़ाए जाने की चर्चाओं का भी खंडन करते हुए स्पष्ट किया कि बस्तर परिवहन संघ द्वारा परिवहन भाड़े में कोई वृद्धि नहीं की गई है। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि बस्तर परिवहन संघ में 2000 से अधिक सदस्य हैं और सभी सदस्यों को समान अवसर देने के लिए क्यू सिस्टम (पंक्तिबद्ध व्यवस्था) लागू है। उनका आरोप है कि कुछ परचून ट्रांसपोर्टरों द्वारा अपनी गाड़ियों को क्यू सिस्टम से बाहर तत्काल लोडिंग की सुविधा दी जाती है, जबकि अन्य वाहन मालिकों को अपनी बारी के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है।

संघ ने परिवहन व्यवस्था में समानता, पारदर्शिता और सभी वाहन मालिकों को समान अवसर देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। मंत्री से इन मुद्दों पर आवश्यक कार्रवाई एवं समाधान की मांग की गई।

युवा कैट आयोजित करेगा मेगा हेल्थ कैम्प

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री कांति पटेल, युवा प्रदेश महामंत्री श्री रतनदीप सिंह एवं युवा प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री भरत भूषण गुप्ता ने बताया कि व्यापारियों एवं उनके परिवारों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए युवा CAIT – छत्तीसगढ़ द्वारा स्वास्थ्य भी, व्यापार भी अभियान के अंतर्गत 24 सितंबर 2026 को मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन CAIT के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन श्री अमर परवानी जी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। युवा CAIT द्वारा श्री अमर परवानी जी के जन्मदिवस को स्वास्थ्य, सेवा एवं जनहित की पहल के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। व्यापारिक समुदाय के प्रति उनकी निरंतर सक्रियता एवं मार्गदर्शन को सम्मान देते हुए यह आयोजन स्वास्थ्य जागरूकता और सेवा को समर्पित रहेगा।

बैंक की 32 वीं वार्षिक आमसभा संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्या. रायपुर की 32 वीं वार्षिक आमसभा मिलेनियम प्लाजा काम्पलेक्स जी.ई. रोड रायपुर स्थित बैंक परिसर में दिनाँक 20.09.2026 दिन रविवार को आयोजित की गई।

बैंक अध्यक्ष सत्यबाला अग्रवाल ने वर्ष 1994 में बड़े संघर्ष एवं अथक परिश्रम से कुछ महिलाओं को साथ लेकर 15 लाख रु. की अल्प पूंजी के साथ छत्तीसगढ़ राज्य की इस प्रथम महिला नागरिक सहकारी बैंक की स्थापना की, जो आज बढ़ते हुए लगभग 16,500 सदस्यों तक पहुँच गई है। बैंक की उत्तरोत्तर प्रगति बैंक अध्यक्ष श्रीमती सत्यबाला अग्रवाल के अथक प्रयासों से ही संभव हो सकी है। उस समय जब महिलाओं का अपने घरों से बाहर निकलना मुश्किल हुआ करता था, ऐसे समय में सत्यबाला अग्रवाल ने कुछ महिलाओं को साथ लेकर गली, मोहल्लों व घर-घर जाकर लोगो से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक की स्थापना के अपने संकल्प को पूरा किया। बैंकिग के क्षेत्र में महिलाओं को सीधे सम्बद्ध कर उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने एवं उन्हें आर्थिक रूप से स्वालंबी बनाने में श्रीमती अग्रवाल की अग्रणी भूमिका रही है। इन सब उपलब्धियों को दृष्टिगत रखते हुए श्रीमती सत्यबाला अग्रवाल को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कारों एवं सम्मानो से समय-समय पर पुरस्कृत किया गया है।

32वीं वार्षिक आमसभा का शुभारंभ बैंक अध्यक्ष सत्यबाला अग्रवाल व संचालक मण्डल के सदस्यों के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया जिसके पश्चात् सहकारिता गीत का गायन नर्मदा वर्मा एवं स्वाति अमिन के द्वारा किया गया। बैंक अध्यक्ष श्रीमती अग्रवाल ने कार्यक्रम के उद्बोधन में सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं अपनी यात्रा की इस कड़ी में 32 वर्ष पूर्व की अपनी स्मृतियों का उल्लेख करते हुए विभिन्न कठिनाईयों के बावजूद अपनी कभी न हार मानने की जिद व छत्तीसगढ़ में महिलाओं द्वारा संचालित प्रथम बैंक की स्थापना की चुनौतियों को विशेष रूप से याद करते हुए जीवन की सफलता का मूलमंत्र दिया कि केवल स्वप्न देखने से कार्य सफल नहीं होते, उनके लिए अनवरत् प्रयास करना आवष्यक होता है। श्रीमती अग्रवाल जी ने बैंक के संचालक मण्डल के सदस्यों, सीईओ एवं कर्मचारियों द्वारा कदम से कदम मिलाकर बैंक की उन्नति में सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 22 सितम्बर 2026

विश्रामपुरी में आज साइबर जागरूकता का ओपन माइक

कोंडागांव। साइबर अपराध के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को विश्रामपुरी हाईस्कूल स्टेडियम में ओपन माइक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक होगा। थाना विश्रामपुरी पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता अभियान में सहयोग करने वाले इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ आम नागरिकों को भी कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया है।

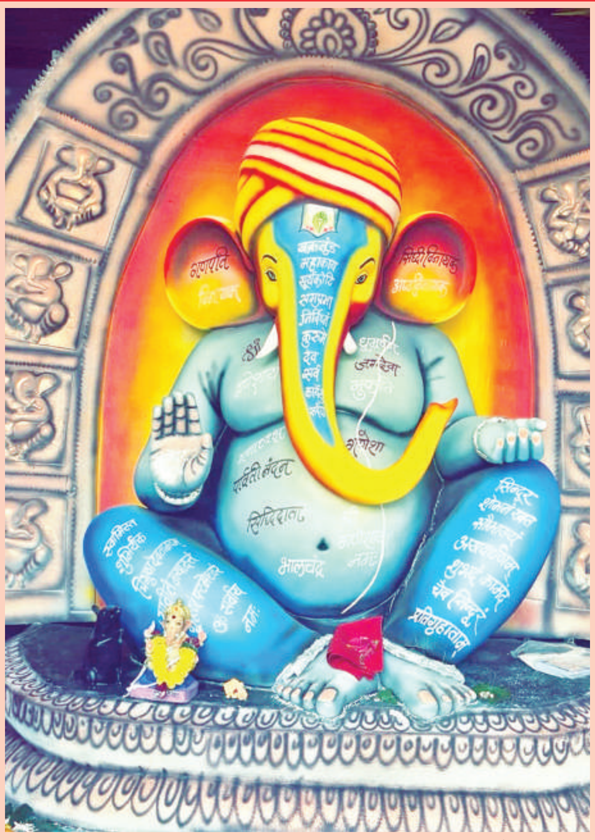

श्री श्री सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति, युवा एकता परिवार, माना कैंप।

संत गोबिंदराम पार्क गणेश उत्सव समिति द्वारा गणेशउत्सव का आयोजन (वशिष्ठ चावला, श्याम शादानी, अजय वैद्य, श्रेष्ठ चावला, संदीप, अजय कुमार और राहुल जी उपस्थित रहे।

आवासीय सहकारी समिति एमआईजी 7 से 13 पिरदा रायपुर में गणपति बिराजमान।

हथकरघा से संस्कार तक, एक अनोखा संदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री 1008 वासुपूज्य जिनालय में पर्युषण पर्व के अवसर पर सूत्र से संस्कार तक एक अनोखा हथकरघा फैशन शो आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मुनिश्री 108 आगम सागर जी महाराज की आज्ञा एवं आशीर्वाद से आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के हथकरघा एवं अहिंसक वस्त्रों के संदेश को समर्पित रहा।

कार्यक्रम में हथकरघा की यात्रा को 7 चरणों में प्रस्तुत किया गया- धागे की शुरुआत, हमारी मिट्टी हमारी पहचान, परंपरा से आधुनिकता तक, श्रम का सम्मान, आचार्य विद्यासागर जी का संदेश, परिवार एवं हथकरघा तथा पर्युषण और सादगी।

इस आयोजन की विशेषता यह रही कि कार्यक्रम देखने आए अनेक दर्शक भी हथकरघा के वस्त्र पहनकर पहुँचे, जिससे हथकरघा के प्रति समाज का उत्साह और समर्थन स्पष्ट दिखाई दिया।

पूरे कार्यक्रम का निर्देशन ममता जैन एवं अमिता जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भाविका जैन, रियांशी जैन, अयाना जैन, यशवंत जैन, प्रतिभा जैन, विकास, राजुल सिंघई, नरेश, वंदना सिंघई, अपेक्षा जैन, अनुराग, अदिति जैन, मनोज, ममता जैन, आराध्या जैन, अनव जैन, नीलेश, ऋद्धा जैन, शौर्य जैन, वीर जैन, विशाल, तृप्ति जैन, अधिश जैन, प्रवीण, अमिता संघी, दीपक, डॉली जैन एवं सम्यक जैन सहित अनेक प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी।

यह केवल एक फैशन शो नहीं, बल्कि हथकरघा, श्रम, सादगी और संस्कार के प्रति जागरूकता का संदेश देने वाला एक भावपूर्ण प्रयास रहा, जिसे उपस्थित समाजजनों ने उत्साहपूर्वक सराहा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सिद्धेश्वर महादेव में की पूजा

- प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए की प्रार्थना

कवर्धा (विश्व परिवार)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज कवर्धा के ऐतिहासिक रानी सागर तालाब परिसर स्थित आस्था के पावन केंद्र और कवर्धा राज परिवार न्यास द्वारा निर्मित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर एवं श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। उन्होंने भगवान श्री सिद्धेश्वर महादेव से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगल कामना की। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल यहां की प्राकृतिक सुंदरता से ही नहीं, बल्कि इसकी समृद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से भी है। भोरमदेव और कवर्धा क्षेत्र आस्था, इतिहास और संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हमारी सरकार का प्रयास है कि इन ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का संरक्षण करते हुए इन्हें आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़ा जाए, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी सृजित हों। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती आस्था और संस्कृति की विविध परंपराओं से समृद्ध है। इन परंपराओं को संरक्षित करना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत कबीरधाम के भोरमदेव कॉरिडोर के विकास के लिए 145.99 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत है। भोरमदेव क्षेत्र छत्तीसगढ़ की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। कॉरिडोर के विकास से क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार, पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने और आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों को एक समग्र पर्यटन अनुभव से जोडने् की दिशा में काम आगे बढ़ेगा।

टिकट चेकिंग प्रदर्शन करने वाले रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में टिकट चेकिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के उत्साहवर्धन एवं उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना के उद्देश्य से आज मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर श्री दयानंद द्वारा अगस्त 2026 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले टिकट चेकिंग कर्मचारियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र (Certificates of Appreciation) प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अविनाश कुमार आनंद सहित सम्बंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके समर्पण एवं कार्य के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की गई। यह पहल टिकट चेकिंग स्टाफके मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें आगामी महीनों में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। टिकट चेकिंग कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे प्रभावी टिकट जांच कार्य से न केवल रेल राजस्व में वृद्धि होती है, बल्कि यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने के लिए भी प्रोत्साहन मिलता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने से अन्य कर्मचारियों में भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं बेहतर प्रदर्शन की भावना को बढ़ावा मिलेगा। अगस्त 2026 माह में रायपुर रेल मंडल के स्टेशन टिकट चेकिंग, लाइन टिकट चेकिंग एवं स्क्वाड चेकिंग श्रेणियों के अंतर्गत सर्वाधिक टिकट चेकिंग आय अर्जित करने वाले कुल 09 टिकट चेकिंग स्टाफको उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो : 170 से अधिक प्रॉपर्टीज की बुकिंग ने बनाया रिकॉर्ड

- क्रेडाई मध्यमवर्गीय परिवारों को आवास सुलभ कराने पर ध्यान दे: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो-2026 के तीन दिवसीय आयोजन में 170 से अधिक प्रॉपर्टीज़ की बुकिंग ने एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। इसकी मुख्य वजह क्रेडाई छत्तीसगढ़ द्वारा एक्सपो के दौरान बुकिंग पर रजिस्ट्री और स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी छूट देने की घोषणा रही। इस एक्सपो में 3800 से अधिक लोगों ने विजिट किया।

समापन के अवसर पर, हर साल की तरह लकी ड्रॉ निकाला गया, जिसके सात विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। इस दौरान स्टॉल होल्डर्स और एक्सपो के सहयोगियों को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर को सबसे शांतिपूर्ण शहर बताते हुए कहा कि क्रेडाई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि मध्यमवर्गीय परिवारों को आसानी से आवास कैसे उपलब्ध हो सके।

श्री बृजमोहन अग्रवाल ने अपने चिर-परिचित अंदाज में कहा कि जब से क्रेडाई के इस आयोजन की शुरुआत हुई है, वे हर साल इसमें शामिल होते रहे हैं, इसलिए वे यहां अतिथि नहीं बल्कि क्रेडाई परिवार का स्थायी हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ को विकसित होते देखा है। आज देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में छत्तीसगढ़ और शहरों में रायपुर का नाम शामिल है। रायपुर आज एक बेहद शांतिपूर्ण शहर है और आने वाले दिनों में यह और भी सुंदर होगा। उन्होंने क्रेडाई सदस्यों से आह्वान किया कि वे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आवास उपलब्ध कराने की दिशा में काम करें, क्योंकि उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यदि आप गुणवत्ता और मात्रा (क्वालिटी व क्वांटिटी) दोनों के साथ निर्माण करेंगे, तो आपका भी नाम होगा। सरकार की कई नीतियां हैं और आने वाले दिनों में इनमें और सुधार किया जाएगा।

रायपुर मंडल में साइबर सुरक्षा पर सेमिनार का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में दिनांक 21.09.2026 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल, रायपुर में साइबर सुरक्षा विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को बढ़ते डिजिटल अपराधों के प्रति जागरूक करना था। यह कार्यक्रम 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक तीन माह का सतर्कता निवारक अभियान (03 MONTH COMPAIGN ON PREVENTIVE VIGILANCE) के अंतर्गत किया गया।

इस सेमिनार मे मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद , अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग लाल अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग सहित रायपुर मंडल के अन्य शाखा अधिकारी एवम कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सीबीआई, बिलासपुर के सहायक पुलिस महानिरीक्षक (AIG/CBI/Bilaspur) श्री कवि गुप्ता ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान समय में तकनीक के दुरुपयोग से जुड़े गंभीर खतरों के बारे में जानकारी दी।

सेमिनार के मुख्य बिंदु: एआई और डीपफेक का दुरुपयोग: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डीपफेक तकनीक के बढ़ते खतरों और इसके जरिए होने। वाली धोखाधड़ी से बचने के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया।

तारा कोल ब्लॉक नीलामी, भाजपा सरकार का छत्तीसगढ़िया अस्मिता पर प्रहार है : दीपक बैज

- अडानी के मुनाफे के लिए जल-जंगल-जमीन, खनिज, पर्यावरण और जैव विविधता की बलि

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि क्या राज्य का विकास केवल जंगलों की बलि देकर और आदिवासियों को बेघर करके ही संभव है? तारा कोल ब्लॉक की नीलामी से पहले स्थानीय ग्राम सभाओं की सहमति और जल-जंगल-जमीन सुरक्षा पर रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? क्या यह सत्य नहीं है कि यह फैसला स्थानीय आदिवासियों और पर्यावरण की कीमत पर केवल चुनिंदा उद्योगपतियों को लाभ पहुँचाने के लिए लिया गया है? 'मोदी की गारंटी' में क्या छत्तीसगढ़ के जंगलों और खनिजों की खुली बोली लगाना भी शामिल था? जब कांग्रेस सरकार ने राज्य के संसाधनों और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखा था, तो भाजपा आते ही खदानों की लूट क्यों शुरू हो गई? जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा में लगे आदिवासी समाज का जबरिया विस्थापन किया जा रहा है। स्थानीय पर्यावरण का विनाश हो रहा है, जलस्तर में भी तेजी से गिरावट तय है, ऐसे में विस्थापन और पर्यावरण के विनाश का सामना करने वाले स्थानीय परिवारों के लिए सरकार के पास क्या जवाब है? सरगुजा के स्वाभिमान का सौदा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि कांग्रेस सरकार ने हमेशा छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान, आदिवासियों के अधिकारों और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोपरि रखा तथा जल-जंगल-जमीन पर पहला अधिकार स्थानीय जनता को दिया। सरकार बदलने के बाद 11 दिसंबर 2025 को साय सरकार ने तारा कोल ब्लॉक को नीलाम करने के लिए केंद्रीय कोयला मंत्रालय को पत्र लिखा, जिसके आधार पर यह खदान अडानी को दे दिया गया, जबकि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने 23 जून 2023 को तारा सहित छत्तीसगढ़ के 9 कोल ब्लाको को नीलामी से अलग रखने के लिए पत्र लिखा था। यही नहीं 26 जुलाई 2022 को छत्तीसगढ़ विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर मांग की थी कि हसदेव-अरण्य में अब किसी भी कोल ब्लॉक का आवंटन या नीलामी न की जाए। 16 जुलाई 2023 को कांग्रेस की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफ़नामा दाखिल कर स्पष्ट रूप से कहा था कि हसदेव-अरण्य में किसी भी नई खदान के आवंटन या विकास की कोई आवश्यकता नहीं है।

रायपुर संभाग के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर संभाग के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों एवं जिले के मास्टर ट्रेनरों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर प्रतिष्ठा मांगलिक भवन जोरा में शुरू हुआ।

प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, पूर्व मंत्री मोहन मरकाम एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने अतिथियों का पुष्प् गुच्छ देकर स्वागत किया तथा उपस्थित प्रतिभागियों का परिचय कराया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण एआईसीसी के निर्देश पर दिया जा रहा यह अनुशासन का विशेष महत्व है। आप सबको कांग्रेस की रीति नीति सिद्धांतों के बारे में तीन दिन जानकारी दी जायेगी, विषय विशेषज्ञ आपको पारंगत करेंगे, सभी को तीन दिन के आवासीय शिविर में अनुशासन के साथ रहना है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपके राजनैतिक जीवन के लिए यह बड़ा अवसर है। आप सब गंभीरता से शिविर का लाभ ले।

पहले दिन कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्तमान राजनीति में धर्म एवं धर्मनिरपेक्षता विषय पर, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ सरकार का राजस्व एवं जनकल्याणकारी योजनाओं में व्यय विषय पर, पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने सामाजिक समरसता के पुरोधा विषय पर, युगल पाण्डेय ने प्रशिक्षण की भूमिका और संगठन सृजन की सार्थकता विषय पर तथा अशोक चतुर्वेदी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा एवं इतिहास विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण के शुभारंभ के दिन पूर्व मंत्री अमितेष शुक्ल, पीसीसी उपाध्यक्ष गुरुमुख सिंह होरा, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, विधायक संदीप साहू, विधायक द्वारिकाधीश यादव, विधायक चातुरी नंद, विधायक ओंकार साहू, पूर्व विधायकगण विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा, अनिता शर्मा, जनक राम वर्मा, विनोद सेवनलाल चंद्राकर, लक्ष्मी ध्रुव, शकुंतला साहू, लेखराम साहू, जिला अध्यक्षगण श्री कुमार मेनन, राजेन्द्र पप्पू बंजारे, सुमित्रा धृतलहरे, तारिणी चंद्राकर, सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष अरूण ताम्रकर उपस्थित थे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354